प्रथम वर्ष श्रीभागवत-पत्रिकाकी

विषय–सूची

	विषय	संख्या और पत्राङ्क
१.	आधुनिक भगवद्दर्शन	५।११६
२.	अभक्ति-मार्ग [ॐ विष्णुपाद श्रीलभक्तिसिद्धान्त सरस्वती]	१।३
३.	असत्संगके दोष	४।८५
४.	आसाम प्रदेशमें प्रचार	६।२१६
५.	कृपा	४।८३
६.	कृष्णके प्रति—श्री	६।२०५
७.	कृष्णचैतन्य महाप्रभुका संकीर्त्तन आन्दोलन—श्री	१।२३, २।४६, ४।८६
८.	केशवाचार्याष्टकम्—श्रीश्री	४।७३
९.	क्या करूँ ?	३।६८
१०.	क्षमा-प्रार्थना	२।४७
११.	गीताकी वाणी	५।११३, ६।१३६, ७।१६१, ८।१८१, १०।२३६, ११।२५२, १२।२७४
१२.	गुरुदास [ॐ विष्णुपाद श्रीलभक्तिसिद्धान्त सरस्वती]	८।१७२
१३.	गुरु-सेवा	७।१५८
१४.	गुर्व्वष्टक [श्रील विश्वनाथ चक्रवर्ती ठाकुर]	३।४६
१५.	गौड़ीय वेदान्त चतुष्पाठीका परीक्षा-फल—श्री	२।४५
१६.	गौड़ीय वेदान्त समितिके उत्सव—श्री	२।४७
१७.	गौरकिशोरनमस्कार दशकम्—श्रीश्री	६।१५३
१८.	चरणामृत—श्री	६।२०८
१९.	चित्रकेतुका मोह (कहानी)	११।२५६
२०.	चैतन्यदेवकी अनुपम वाणी	३।६१
२१.	चौरासीकोस ब्रजमण्डलकी परिक्रमा और उर्जव्रत	७।१६६, ८।१६०, ९।२१६
२२.	जगन्नाथाष्टकम्—श्रीश्री	२।१५, ११।१४१
२३.	जन्माष्टमी (पद्य)	३।६५
२४.	जैव-धर्म	१।२१, २।४२, ३।७१, ४।९२, ५।१२०, ६।१४१, ७।१६८, ८।१८७, ९।२११, १०।२४०, ११।२५९, १२।२६७
२५.	ज्ञान [ॐ विष्णुपाद श्रीलभक्ति विनोद ठाकुर]	५।१०४
२६.	तत्त्व-परिचय	६।१३९
२७.	दयितदासदशकम्—श्रीश्री	९।१९९
२८.	दरिद्रनारायणकी सेवा (?)	१२।२८६
२९.	धर्म और विज्ञान [ॐ विष्णुपाद श्रील भक्तिविनोद ठाकुर]	६।१२६, ७।१५१
३०.	नटवर (कविता)	७।१५७
३१.	नवद्वीपधाम-परिक्रमाका निमन्त्रण-पत्र—श्रीश्री	१०।२३९
३२.	नवद्वीपधाम-परिक्रमा और गौर-जन्मोत्सव—श्रीश्री	११।२६१
३३.	नित्याभियुक्तानां योगक्षेमं वहाम्यहम् (कहानी)	६।१३२
३४.	पद्मोपासना [ॐ विष्णुपाद श्रील भक्तिसिद्धान्त सरस्वती]	११।२६६
३५.	पाञ्चरात्रिक अधिकार [,, ,, ,, ,,]	५।१००

३६.	प्रचार-प्रसङ्ग	३।७०
३७.	प्रतिकूल मतवाद [ॐ विष्णुपाद श्रील भक्तिसिद्धान्त सरस्वती]	४।७५
३८.	प्रतिबन्धक [,, ,, ,,]	६।१२३
३९.	प्रतिष्ठाकी आशा [ॐ विष्णुपाद श्रील भक्तिविनोद ठाकुर]	४।७८
४०.	प्रभुपादपद्म-स्तवकः— श्रीश्री	५।९७
४१.	प्रभुपादाष्टकम्—श्रीश्री	७।१४५
४२.	प्रवृत्ति और निवृत्ति [ॐ विष्णुपाद श्रीलभक्तिविनोद ठाकुर]	१०।१२८, ११।२४५, १२।२६९
४३.	प्रश्नोत्तर	३।९६
४४.	ब्रजके सन्त कवि	६।१२९
४५.	ब्रज-मण्डलकी परिक्रमा और कार्त्तिक व्रतका निमन्त्रण पत्र—श्री	३।७२, ४।९६
४६.	ब्रजमण्डल-परिक्रमा और श्रीकेशवजी गौड़ीय मठ मथुरामें कार्त्तिक व्रत—श्री	६।१४०
४७.	ब्रज-महिमा (पद्य)	२।३८
४८.	भक्त कालीदास (कहानी)	२।३९
४९.	भक्ति-मार्ग [ॐ विष्णुपाद श्रील भक्तिसिद्धान्त सरस्वती]	२।२७, ३।५१
५०.	भक्तिविनोददशकम्—श्रीमद्	१०।२१७
५१.	भागवत-गुरु-परम्परा—श्रीश्री	१२।२६५
५२.	भीष्म-युधिष्ठिर संवाद (कहानी)	१।१३
५३.	मंगलाचरण	१।१
५४.	मनुष्यका कर्त्तव्य	४।८९
५५.	मनुष्य समाज और वैष्णव धर्म [ॐ विष्णुपाद श्रीलभक्तिविनोद ठाकुर]	१।७
५६.	मायावादकी जीवनी [ॐ विष्णुपाद श्रील भक्तिप्रज्ञान केशव महाराज]	१।१०, २।२४, ३।५८, ४।८०, ५।१०८, ७।१५४, ८।१७८, ९।२०६, १०।२२६, ११।२५०, १२।२७२
५७.	मीराबाईके श्रीकृष्णचैतन्य (पद्य)	१।१८
५८.	यमुनाष्टक (पद्य)	५।११२
५९.	याज्ञवल्क्य और मैत्रेयी संवाद	६।१२८
६०.	वर्ष—निवेदन	१२।२८४
६१.	विनय (पद्य)	११।२५५
६२.	विशुद्ध-भजन (ॐविष्णुपाद श्रील भक्तिविनोद ठाकुर]	९।१९९
६३.	विशुद्ध साम्प्रदायिकता ही आर्यधर्मका गौरव है [,, ,, ,, ,,]	२।३९
६४.	वैष्णव-दर्शन [ॐविष्णुपाद श्रील भक्तिसिद्धान्त सरस्वती]	९।१९५, १०।२१९, ११।२४२
६५.	वैष्णव वंश [,, ,, ,, ,,]	७।१४७
६६.	व्यासपूजा और श्रीगौड़ीय वेदान्त समिति—श्रीश्री	१०।२३०
६७.	शरणागति (पद्य)	१।१८, २।३८, ३।६५, ४।८२, ५।११२, ६।१३५, ७।१५३, ८।१८६, ९।२०५, १०।२३५, ११।२५८, १२।२८२
६८.	श्रीभागवत-पत्रिकाके सम्बन्धमें वक्तव्य	१।१९
६९.	सत्संगकी विधि [ॐविष्णुपाद श्रील भक्तिविनोद ठाकुर]	८।१७५
७०.	सरस्वती गोस्वाम्याष्टकम्—श्रील	६।१२१
७१.	साधुसंग [ॐविष्णुपाद श्रील भक्तिविनोद ठाकुर]	३।५३
७२.	हरि-गुरु-वैष्णव-वन्दना—श्री	१।२
७३.	हरिनाम—श्री	४।९१

द्वितीय वर्ष श्रीभागवत-पत्रिकाकी

विषय-सूची

	विषय	संख्या और पत्राङ्क
१.	अक्षय तृतीया और गौड़ीय वेदान्त समिति	१२।५६४
२.	अन्नकूट महोत्सव—श्री	६-७।४४३
३.	अप्राकृत वाणी पुष्प	६।४८७
४.	अत्याहार	८।४५५
५.	असत्संगके दोष	६-७।४२०
६.	आलवारोंकी जीवनी (गोदादेवी)	१।२६१
७.	आसुरी प्रवृत्ति	६-७।४२६
८.	एकादशीका आविर्भाव	६-७।४२६
९.	काम और प्रेम	८।४५४
१०.	कार्त्तिकव्रतमाहात्म्य—श्री (हरिभक्तिविलास)	५।३८५
११.	कुलशेखर	४।३६३
१२.	कृष्णचैतन्यमहाप्रभुजू	१२।५५६
१३.	कृष्णनामष्टकम्—श्री श्री	१०।४६७
१४.	गीताकी वाणी १।३००, ३।३४७, ४।३७३, ५।३६६, ६-७।४२७, ८।४२८, १०।५०६, १२।५६५	
१५.	गोलोकगंज (आसाम) में श्रीश्रीव्यासपूजा	११।५३६
१६.	गौराङ्ग स्तोत्ररत्नम्—श्रीश्री	१।२८६
१७.	ग्रन्थ चक्रवर्त्ती—श्रीमद्भागवत १।३०३, २।३२२, ३।३५०	
१८.	चैतन्यदेव—श्रीश्री	८।४६२
१९.	जगन्नाथस्तोत्रम्—श्रीश्री	२।३१३
२०.	जगन्मोहनाष्टम्—श्रीश्री	११।५२१
२१.	जनसंग	१२।५५०
२२.	जयतीर्थ—श्री	६।४७५
२३.	जैव धर्म १।३१०, २।३२६, ३।३५५, ४।३७७, ५।४०२, ६-७।४४५, ८।४६६, ९।४६०, १०।५१४, ११।५३४, १२।५६६	
२४.	दरिद्रनारायणकी सेवा	२।३२८
२५.	दशावतार स्तोत्रम्—श्रीश्री	८।४४६
२६.	दामोदराष्टकम् –श्रीश्री	६-७।४६०
२७.	द्वारकाधामकी परिक्रमा—श्रीश्री	३।३६०, ४।३८५
२८.	नन्दलालकी छवि	३।३५४
२९.	नम्र निवेदन	६-७।४३८
३०.	नवद्वीप धामकी परिक्रमा और गौर जन्मोत्सव—श्रीश्री	११।५४१
३१.	नव-भारतमें शक्तितत्त्व	९।४८४
३२.	नाथ-मुनि—श्री	६-७।४११
३३.	निम्बादित्य और निम्बार्क एक व्यक्ति नहीं हैं—श्री	२।३२६

३४. निम्बार्कोंका विक्षोभ ४।३७१
३५. नियमाग्रह (४) ११।५२५
३६. प्रचार-प्रसङ्ग ३।३६०. ४।३८४
३७. प्रजल्प (३) १०।५०१
३८. प्रयास (२) ६।४७७
३९. प्रवृत्ति और निवृत्ति २।३१७, ३।३४२, ४।३६५. ५।३९१, ६-७।४१३,
४०, ब्रह्म, परमात्मा और भगवान्के सम्बन्धमें प्रश्नोत्तर १२।५५५
४१. ब्रह्ममय श्रीचैतन्यमहाप्रभु ६-७।४४४
४२. भजन लालसा (कविता) १।३०२
४३. भक्त ठाकुर हरिदास ६।४८१
४४. भक्ताङ्घ्रिरेणु ३।३३६
४५. भक्ति-सिद्धान्त १०।४६६
४६. भागवत-वन्दना (कविता) ५।३६०
४७. मथुरा श्रीरामलीला अभिनयमें दुर्घटना ५।४०८
४८. मायावादकी जीवनी १।२६७, २।३२०, ३।३४५, ४।३६७, ५।३६३, ६-७।४१८
४९. मूर्त्ति और मायावाद १२।५४८
५०. रघुनाथदास गोस्वामी—श्री १२।५६०
५१. राधाविनोद विहारी तत्त्वाष्टकम्—श्रीश्री ६-७।४३३
५२. राधे श्याम श्यामा श्याम १०।५१३
५३. रामलीलासार:--श्री श्री १२।५४५
५४. बलराम स्तोत्रम्—श्रीश्री ३।३३७
५५. विग्रह प्रतिष्ठा—श्रीश्री ६-७।४४७
५६. विश्वनाथ चक्रवर्त्ती ठाकुर—श्रीश्री ८।४५७
५७. विष्णुचित्त २।३१५
५८. वैष्णव अपराध कितना भयंकर होता है १०।५१०
५९. वैष्णवोंका विषय ११।५२३
६०. व्रज-द्वारका धामकी परिक्रमा—श्रीश्री ५।४०८
६१. व्रज-भजन प्रणाली—श्री ८।४६७
६२. व्रज-मण्डल और द्वारकाधामकी परिक्रमा और कार्त्तिकव्रत—श्रीश्री ६-७।४३६
६३. व्रजयात्राके कुछ संस्मरण ८।४६३
६४. व्यासपूजा पद्धति—श्रीश्री ६।४८८
६५. शठकोप सूरि--श्री ४।३८८
६६. शरणागति (कविता) २।३१६, ३।३४४, ४।३७०, ५।३६८, ६-७।४२५, ६।४७६, ११।५२६, १२।५५४
६७. शिक्षाष्टकम्--श्रीश्री (श्रीकृष्णचैतन्य वदनाब्ज विगलित वाक्यवेदम्) ६।४७३
६८. सज्जन और भक्ति २।३२५
६९. सज्जनतोषणी पत्रिकाका उद्देश १।२६५
७०. सदाचार ५।३६६, ६-७।४३५, १०।५२०, ११।५३०
७१. सनातन गोस्वामीका विरह उत्सव—श्री ३।३६०
७२. सुभद्रा-स्तोत्रम्—श्रीश्री ४।३६१
७३. हिन्दू साधु-संन्यासियोंके नियन्त्रणके लिए कानूनका प्रतिवाद ६-७।४२६

तृतीय वर्ष श्रीभागवत-पत्रिकाकी

विषय-सूची

	विषय	संख्या और पत्राङ्क
१.	अचिन्त्यभेदाभेद	१।१४, २।३६, ३।६३, ४।८४, ५।११३, ६।१४०, ७।१५७, ८।१६०, ९।२०७, १२।२७२
२.	आविर्भाव तिथि (श्रील भक्तिविनोद ठाकुरकी)	५।९९
३.	उत्साह	२।३१
४.	उपदेशामृत—श्रीश्री	६।१२१
५.	कर्मकाण्ड, ज्ञानकाण्ड और भक्तिकाण्डके सम्बन्धमें प्रश्नोत्तर	११।१५१
६.	कर्मवीरकी फूटी कौड़ियाँ	८।१७२
७.	कुञ्जविहार्य्याष्टकम्—श्रीश्री	४।७३
८.	कृष्णके वियोगमें यशोदा	१०।२२६
९.	क्षमा करें, मैं नास्तिक हूँ	८।१८१
१०.	गीताकी वाणी	१।१०, २।३४, ३।६१, ४।८०, ६।१३१, ७।१५३, ८।१७९, ९।२०३, १०।२२७
११.	गुरुका स्वरूप—श्री	३।५१
१२.	गुरु-तत्त्वके सम्बन्धमें पुनः प्रश्न—श्रीश्री	४।७५
१३.	गोवर्द्धनाष्टकम्—श्री	७।१४५
१४.	चातुर्मास्य	२।२७
१५.	चातुर्मास्य व्रतम्	२।२५
१६.	चार्वाक मतका जन्म रहस्य	११।२४८
१७.	चैतन्याष्टकम्—श्रीश्री	३।४९
१८.	जैवधर्म	१।२३, २।४०, ३।६९, ४।८९, ५।११७, ६।१३५, ७।१६३, ८।१८६, ९।२०९, १०।२३६, ११।२५६, १२।२७८
१९.	'तत्तत्कर्म प्रवर्त्तन	६।१२६, ७।१४९
२०.	दयानिधि जाहि सनेह करैं	१२।२८५
२१.	धर्मघट	७।१५५
२२.	धैर्य	५।१०३
२३.	नवद्वीप धाम-परिक्रमा और गौर जन्मोत्सव—श्रीश्री	१०।२३५
२४.	नवद्वीप-परिक्रमाका निमंत्रण-पत्र—श्री	९।२१४
२५.	नव-वर्ष	१।३
२६.	निश्चय	३।५७, ४।७८

	विषय	संख्या और पत्राङ्क
२७.	निषिद्धाचार	७।१४७
२८.	नृसिंहदेवस्य लीलासारः—श्रीश्री	१२।२६५
२९.	पिता, आचार्य और गुरु	११।२४३
३०.	प्रचार-प्रसङ्ग	२।४८, ६।२१५, १०।२३३
३१.	प्रभुपादकी उपदेशावली—श्रील	३।५६
३२.	प्रह्लाद महाराजके उपदेश	१२।२८६
३३.	बद्ध, तटस्थ और मुक्त	६।१२३
३४.	बलदेव प्रभुका आविर्भाव—श्रीश्री	४।८३
३५.	भक्ति विनोद ठाकुरके तिरोभाव और रथ यात्राका आह्वान—श्रीश्री	१।२४
३६.	मदनगोपाल देवाष्टकम्—श्रीश्री	१।१
३७.	मनः शिक्षा—श्री	८।१६९
३८.	युगलकिशोराष्टकम्—श्रीश्री	९।१९३
३९.	रामचन्द्रस्तोत्रम्—श्रीश्री	११।२४१
४०.	रामानुजाचार्यके उपदेश—श्री	६।१३३
४१.	रूपगोस्वामी—श्री	४।८२
४२.	लौल्य	१।५
४३.	विविध-संवाद	४।९५
४४.	वैष्णव-स्मृति	१२।२६८
४५.	व्यासपूजा—श्रीश्री	१०।२३१
४६.	व्यास-पूजा (गुरुपूजा) का आह्वान	८।१९२
४७.	व्रजमण्डल-परिक्रमाका विराट आयोजन—श्रीश्री	४।८४, ५।११२, ६।१३८
४८.	शक्तिपूजाका रहस्य	५।१०८
४९.	शचीसुन्वाष्टकम्—श्रीश्री	१०।२१७
५०.	शरणागति (पद्य)	१।१३, ३।३०, ४।१०७, ६।१२५, ११।२४७, १२।२८५
५१.	संग-त्याग	८।१७५, ९।१९८
५२.	सगुणोपासना	१०।२१९
५३.	साधु-वृत्ति	१०।२२२, ११।२४५, १२।२६९
५४.	सिद्धि-लालसा (पद्य)	२।३०
५५.	स्वयंभगवत्त्वाष्टकम्—श्री	५।९७
५६.	हरिनाम महामंत्र	९।१९५

श्रीभागवत-पत्रिका चतुर्थ वर्षकी

विषय-सूची

विषय	संख्या और पत्रांक
१. अद्वैत-तत्त्व-श्रीश्री	७-८।१७२
२. अचिन्त्यभेदाभेद	१।१६, २।३३, ३।५६, ४।८३, ५।१०७, ६।१३०, ७-८।१५७, ९।१६१
३. खड़गपुरमें श्रीश्रीव्यासपूजा	१०-११।२४७
नाष्टकम्—श्रीश्री	६।१२१
४. गौड़ीय व्रतोपवास (वैशाख)	१०-११।२४८
६. गौड़ीय व्रतोपवास (ज्येष्ठ)	१२।२७२
७. चातुर्मास्य व्रत	१।१८
८. चैतन्यमहाप्रभु (पद्य)—श्री	५।१०५, ६।१३४, ७-८।१६४, ९।२०३,
९. चैतन्य महाप्रभुकी सार शिक्षाएँ—श्री	१।५
१०. चैतन्याष्टकम्—श्रीश्री	७-८।१४५
११. जन्माष्टमी-व्रत कृत्यम—श्रीश्री	४।७३
१२. जयन्ती	२।४४, ३।६०
१३. जैव-धर्म १।२३, २।४७, ३।६६, ४।९१, ५।११४, ६।१३५, ७-८।१७८, ९।२०४, १०-११।२२४, १२।२५९	
१४. त्रिविध शास्त्र और मायावाद आदि मत	५।१११
१५. दयानिधि तेरी गति लखी ना जाई (पद्य)	७-८।१६३
१६. दरस न देइहौं कब लगि प्यारे	५।१२०
१७. दशमूल निर्यास	४।७७
१८. नवद्वीपधाम परिक्रमा और श्रीगौर-जयन्ती	१०-११।२४७, १२।२६८
१९. नवद्वीप-परिक्रमाका आह्वान—श्री	९।२०८
२०. नवद्वीप-स्तोत्रम्-श्रीमद्	१०-११।२०९
२१. नवभारत टाइम्सके सम्पादकके नाम पत्र	५।११९
२२. नाम और श्रीनाम-भजनकी प्रणाली—श्री	१०-११।२३८
२३. नित्यानन्दाष्टकम्—श्री	१।१
२४. नृसिंह-स्तवः—श्री	१२।२४९
२५. पुरुषोत्तम मासका माहात्म्य और उसके कर्त्तव्य	२।४०
२६. प्रचार-प्रसंग	२।२२, ७-८।१७६
२७. बद्री-केदार-परिक्रमा-संघका प्रत्यावर्त्तन	५।११३
२८. भक्ति-तत्त्व-विवेक	५।१०१, ६।१२४, ७-८।१४९, ९।१८९, १०-११।२१२, १२।२५४

विषय	संख्या और पत्रांक
२६. भक्ति विनोद ठाकुर—श्री	१।३
३०. भक्तिविनोद ठाकुरका तिरोभाव और श्रीश्रीरथयात्रा	१।२१, २।४३
३१. भक्ति विनोद प्रभुवराष्टकम्—श्रीमद्	२।२५
३२. मुनियोंका मतिभ्रम	१।११, २।३७, ४।८५, ६।१२८, १०-११।२१८,
३३. यशोदानन्दन कृष्ण ही शचीनन्दन गौर हैं	६।१६५, १०-११।२१५, १२।२७०
३४. राधाष्टकम्—श्री-श्री	५।६७
३५. रूप गोस्वामी (पद्य) श्री	१०-११।२४६
३६. लोकनाथ प्रभुवराष्टकम्—श्री	३।४६
३७. विरह महोत्सव (श्रील सरस्वती ठाकुरका)	७-८।१७६
३८. विविध-संवाद	४।६०
३६. वृन्दावन—श्रीश्री (समालोचना)	७-८।१६५
४०. वैष्णव-सिद्धान्त-माला	१।६, २।३०, ३।५३
४१. व्यासपूजाका आह्वान—श्रीश्री	६।२०२
४२. व्रजमण्डलकी परिक्रमा—श्रीश्री	७-८।१७४,
४३. व्रजमण्डल-परिक्रमाका विराट आयोजन—श्रीश्री	४।८४, ५।११०
४४. शरणागति (पद्य)	२।४२, ५।१२०, ७-८।१७७, १०-११।२२३, १२।२५८
४५. श्रीभागवत पत्रिका के सम्बन्धमें विवरण	१०-११।२४८
४६. संत (सज्जन) के लक्षण (अकिंचन)	१०-११।२११
४७. ” ” (अकृत-द्रोह)	३।५१
४८. ” ” (उदार)	७-८।१४७
४६. ” ” (कृपालु)	२।२७
५०. ” ” (निर्दोष)	६।१२३
५१. ” ” (मृदु, शुचि)	६।१८८
५२. ” ” (सत्यसार)	४।७५
५३. ” ” (सम)	५।६६
५४. ” ” (सर्वोपकारक)	१२।२५२
५५. स्वप्न-विलासामृताष्टकम्—श्रीश्री	६।१८५
५६. हरिनाममें रुचि कैसे हो	७-८।१७५

श्रीभागवत-पत्रिका पंचम वर्षकी

विषय-सूची

विषय	संख्या और पत्रांक
१. अनुरागवल्ली	५।६७
२. अभिधेय विचार (कर्म)	८।१६४
३. अभिधेय विचार (ज्ञान)	१०-११।२७१
४. अभिधेय विचार (भक्ति)	१२।२५२
५. आचार्यदेवका दीक्षान्त भाषण [(श्रीश्री) श्रीप्रभुपादकी विरह तिथिके अवसर पर]	१०-११।२३६,१२।२७१
६. आचार्यदेवका भाषण (श्रीश्री) [कृष्ण जयन्तीके अवसर पर]	६-७।१४०
७. उपनिषद् वाणी	१।८, २।३२, ३।५५, ४।८६, ५।११२, ६-७।१३१, ८।१७१, १०-११।२१७, १२।२५५
८. कार्त्तिक-व्रत महोत्सव	६-७।१६०
९. कृष्ण दास्य कैसे प्राप्त हो ?	५।१००
१०. कृष्ण-प्रणाम-प्रणयाख्य-स्तवः (श्री)	२।२५
११. कृष्ण-स्तवः (श्री)	१२।२४६
१२. कृष्ण-स्तुतिः (श्री)	३।४६
१३. केदार-बद्री-परिक्रमाका आह्वान (श्रीश्री)	२।४६
१४. केशवाचार्याष्टकम् (श्रीश्री)	१०-११।२०६
१५. गुरु-परम्परा (श्री)	६।१६१
१६. गौड़ीय-व्रतोपवास (श्री)	१।२४
१७. गौरांगदेव स्वयं भगवान हैं (श्रीश्री)	१।१३,२।३०
१८. चैतन्य महाप्रभु (श्री)	८।१७०, १०-११।२२६
१९. जगद्गुरु श्रीभक्तिसिद्धान्त सरस्वती गोस्वामी और उनका विचार वैशिष्ट्य	६।१६३
२०. जीवोंके प्रति दयाका रहस्य	२।२८
२१. जैवधर्म	१।१७, २।३५, ३।५६, ४।६५, ५।१०८, ६-७।१५०, ८।१७८, १०-११।२२८, १२।२६२
२२. तत्त्व परिचय	५।११६
२३. त्रिदण्ड-संन्यास	४।६२
२४. देवानन्द गौड़ीय मठ, नवद्वीपमें कार्तिक व्रत (श्रीश्री)	५।११५
२५. नवद्वीप-धाम-परिक्रमा और श्रीगौर-जन्मोत्सव (श्रीश्री)	१०-११।२४६
२६. निमंत्रण-पत्र (परिक्रमा और श्रीगौरजन्मोत्सवका)	६।२०३
२७. पापका परिचय और उसकी सीमा	३।६६, ८।१७५
२८. प्रचार-प्रसंग	२।४७, १०-११।२४४, १२।२७२
२९. प्रभुपादका विरह-उत्सव (श्री)	६।२०७
३०. प्रभुपादजीकी आरती (श्री)	६।२०८
३१. प्रभुपादजीकी उपदेशावली (श्री)	६।१८६
३२. प्रभुपादकी वाणी (श्री)	६।१८८
३३. प्रभुपादजीके अतिमर्त्य चरित्रकी कुछ झाँकियाँ (श्री)	१०-११।२२२

विषय	संख्या और पत्रांक
३४. प्रभु-पादपद्म-स्तवकः (श्री)	६।१८६
३५. प्रभु-मिलनकी उत्कंठा	६-७।१४६
३६. वंदना (श्रीलप्रभुपादजीकी)	६।१८५
३७. भक्ति-तत्त्व-विवेक (चतुर्थ-प्रबन्ध)	१।५
३८. मदनमोहन मंदिरमें दोलोत्सव	१।२४
३९. मनुष्यके कुकर्म भगवान्‌की लीला नहीं है	५।१०४, ६।७।१४३
४०. महाराज अम्बरीष	६-७।१३५
४१. यमुनाष्टकम् (श्री)	६-७ १२१
४२. राधाष्टमी-व्रतम् (श्रीश्री)	४।७३
४३. विग्रह एवं मठ-मंदिर	३।६६, ४।८३, ५।१०२
४४. विराट सभा [श्रीयुत राधागोविन्दनाथ महोदयके वैष्णव-दर्शनके प्रतिवादमें	२।४४
४५. विविध-संवाद	४।६३
४६. वैष्णव कैसे बनूँ ?	८।१६८
४७. व्यास-पूजाका आह्वान (श्रीश्री)	८।१८४
४८. व्यासपूजा या गुरुपूजा (श्रीश्री)	६।२०४
४९. शचीनन्दन गौरहरि (श्री)	६-७।१३६
५०. शिक्षाष्टक	४।७७
५१. श्रीभागवत-पत्रिकाके सम्बन्धमें विवरण	१०-११।२४८
५२. श्रीमद्भागवतकी रचना	१।३०
५३. षड्गोस्वाम्याष्टकम् (श्रीश्री)	१।१
५४. सन्त (सज्जन) के लक्षण (अकाम, निरीह)	३।५१
५५. ,, (अप्रमत्त, मानद)	६-७।१२३
५६. ,, (अमानी, गंभीर)	८।१६३
५७. ,, (करुण)	६।१६२
५८. ,, (कृष्णैकशरण)	२।२७
५९. ,, (दक्ष)	१२।२५१
६०. ,, (मित्र, कवि)	१०-११।२११
६१. ,, (शान्त)	१।३
६२. ,, (षड्गुण विजयी, मितभुक)	५।६६
६३. ,, (स्थिर)	४।७६
६४. सम्बन्ध विचार	६-७।१२५
६५. सादर-निवेदन (अन्नकूट महोत्सवका)	५।११५
६६. साधन	३।५२
६७. हरिकुसुम-स्तवकम् (श्री)	८।१६१

श्रीभागवत-पत्रिका के छठवें वर्षकी

विषय-सूची

विषय	संख्या और पत्रांक
१. अक्षय तृतीयाके उपलक्ष्यमें श्रीभागवत-पत्रिकाके सम्पादकका भाषण	१२।२६३
२. अनुराग	११।२३३
३. अपनी दो एक बातें	१२।२४३
४. आचार्यदेवका दीक्षान्त भाषण	१।१२
५. आधुनिकवाद	५-६।१०५
६. उपनिषद्वाणी	१।६,२।३६, ३।५५, ४।८०,५-३।१२२,७-८६।१४८ ६-१०।१८८,११।२२६,१२।२५३
७. काम और प्रेम	६-१०।१६७
८. काल फिरत सिर ऊपर भारी	५-६।१२१
६. कृष्णे मतिरस्तु	११।२१६
१०. गायत्रीमन्त्र और नारी	६-१०।१६८
११. गुणवती राधा	६-१०।१८२
१२. गुरुभक्ति (श्री)	७-८।१४५
१३. गोकुलानन्द गोविन्ददेवाष्टकम् (श्रीश्री)	४।७३
१४. गोवर्द्धन-पूजा (श्रीश्री)	५-६।११०
१५. गोवर्द्धनाश्रय दशकम् (श्री)	५-६।६७
१६. गौड़ीयव्रतोपवास (श्री)	६-१०।२१५,१२।२६२
१७. गौरांग अवतारी-स्वरूप (श्री)	६-१०।१६१
१८. चेतावनी	२।४५,४।८३।१२।२४७
१६. चैतन्यदेव और हरिनाम (श्री)	३।६२,४।८४
२०. चैतन्यमहाप्रभु (श्री)	२।४६,३।७१,४।११६
२१. चैतन्याष्टकम् (श्रीश्री)	६-१०।१७७
२२. चौरासगन्य पुरुषाष्टकम् (श्री)	२।२५
२३. जगद्गुरु श्रीमद्भक्तिविनोद ठाकुरके तिरोभाव और श्रीरथ-यात्राका आह्वान	१।२४
२४. जैव-धर्म	१।१७,२।३६,३।६६,४।६०,५-६।१३३,७-८।१७२,६-१०।१६६,११।२३४
२५. त्रिदण्ड-संन्यास	६-१०।२१४
२६. नम्र-निवेदन	६-१०।२१४
२७. नरोत्तम गौड़ीय मठ (श्री)	१२।२६०
२८. नवद्वीप धाम-परिक्रमा और श्रीश्रीगौर-जन्मोत्सव (श्रीश्री)	६-१०।२१२
२६. पतित-ब्राह्मण और दरिद्रनारायण	७-८।१५३
३०. पुरुषोत्तम-मासके कृत्य (श्री)	१२।२४५
३१. पुरुषोत्तम-व्रत (श्री)	१२।२४८
३२. प्रचार-प्रसंग	२।४७,३।७२,७-८।१६६

विषय	संख्या और पत्रांक
३३. प्रबोधानन्द (श्री)	२।२७
३४. प्रह्लाद महाराजको भगवान्‌के प्रति अचलाभक्ति कैसे प्राप्त हुई ?	१२।२६१
३५. प्रीति	१।४
३६. प्रेमाम्भोज मरंदाख्य स्तवराजः (श्री)	७-८।१३७
३७. भजन बिनु जमके हाथ बिकानौं	१२।२५१
३८. भजन बिनु बैल बिराने ह्वैहौ	१।११
३९. भागवत पत्रिकाके पाठकोंसे प्रार्थना (श्री)	५-६।१३१
४०. भागवत पत्रिकाके सम्बन्धमें विवरण (श्री)	९-१०।२१६
४१. मर्कट-वैराग्य	२।३२
४२. मात्सर्य	४।७८
४३. मार खाकर प्रेम-दान	७-८।१६७
४४. मैं कौन हूँ ?	४।८९
४५. यमकी त्रास न सहिये (पद्य)	३।७०
४६. यह कैसी दया है ?	५-६।११८
४७. रजराज व्रजवासीका परलोक गमन (श्रीपाद)	१२।२५९
४८. राधा विनोदविहारीजी (श्री श्री) (पद्य)	७-८।१६०
४९. राधिकाष्टकम् (श्री श्री)	३।४९
५०. रामनवमी (श्री)	११।२४०
५१. रामानुजाचार्य (श्री)	५-६।९९, ७-८।१३९, ९-१०।१७९
५२. विग्रह-तत्त्व (श्री)	४-६।२२५
५३. वृन्दादेव्याष्टकम् (श्री)	१२।२४१
५४. वैराग्य	९-१०।१८३, ११।२३१
५५. वैष्णव मर्यादा	४।७५
५६. वैष्णव-सेवा	४।८७
५७. व्रजमण्डल परिक्रमाका विराट आयोजन (श्री)	३।७२, ४।९६
५८. व्यास पूजा (श्री श्री)	९-१०।२१६
५९. व्यासपूजाके उपलक्ष्यमें श्रीमद् श्रौतीमहाराजका भाषण	११।२२९
६०. शचीनन्दन विजयाष्टकम् (श्री)	११।२१७
६१. संकर्षण-स्तोत्रम् (श्रीश्री)	१।१
६२. संत (सज्जन) के लक्षण	१।३
६३. संसारका सर्वप्रथम छात्र-आन्दोलन	१२।२५४
६४. सच्चे महाजन कौन हैं ?	३।५१
६५. सनातन-धर्म	३।५०
६६. सुख	७-८।१६१
६७. "हिन्दू"-शब्द कैसे बना है ?	३।३४

सप्तम वर्षकी विषय-सूची

विषय	संख्या और पत्रांक
१. अथ नवनीत प्रियाष्टकम्	१२।२४६
२. अपने विचार	४।६६
३. अर्थ पंचक	६-७।१३१
४. अवधूत-गीता	८।१८०, ६।१६५
५. आचार और प्रचार	६।१८६
६. आचार्यदेव द्वारा उपाधि प्रदान-श्री	१।२४
७. आधुनिक आर्य	६-७।१४२
८. इन्द्रकृत-श्रीकृष्णस्तुति	६।१८५
९. ईश विमुखताका परिणाम और उसे दूर करनेका उपाय	८।१६३
१०. उपदेशामृतकी पीयूषवर्षिणी वृत्ति	४।७६
११. उपनिषद-वाणी	१।१२, २।४०, ३।६६, ५।१०५, ६-७।१३५, ८।१६८, ६।१६१, १०-११।२३५
१२. ऐसैंहिं जनम बहुत बौरायो (पद्य)	५।११८
१३. कार्तिकव्रते विधि निषेधाः--श्री	५।६७
१४. कीर्तनका अधिकारी कौन है ?	१।४
१५. कुछ प्रश्न और श्रीश्रीप्रभुपाद द्वारा उनका उत्तर	१०-११।२२१
१६. कुछ सोचने समझनेकी बातें	६।१८७
१७. कृष्णका आविर्भाव--श्री	४।८४
१८. कृष्ण प्रेम -श्री	१०-११।२१५
१९. कृष्णलीला पंचकम्	४।७३
२०. गुरुदेव क्या तत्व हैं--श्री	१२।२६०
२१. गुरुपदाश्रय--श्री	१०-११।२११
२२. गौद्रुमचन्द्र भजनोपदेशः--श्रीश्री	१०-११।२१२
२३. गोवर्द्धनवास-प्रार्थनादशकम्--श्री	६-७।१२१
२४. गौड़ीय व्रतोपवास	१२।४, २।४८, ३।७२, ४।६६, ५।१२०, ६-७।१६०, ८।१८३
२५. गौराविर्भाव--श्री	१०-११।२३१
२६. चैतन्यदेव--श्री	६-७।१२३
२७. चैतन्य महाप्रभु और उनका सिद्धान्त--श्री	६-७।१४८
२८. चैतन्य शिक्षामृत--श्री	६।१६६, १०११-।२३८
२९. जन्माष्टमी	४।६०
३०. जयपुरमें १०८ श्रीश्रीआचार्यदेव	६।२०५
३१. जीवकी सार्थकता	३।६१
३२. तीर्थी कुर्वन्ति तीर्थानि	१०-११।२२५
३३. तुलसीदेवी--श्रीश्री	८।१७०
३४. दशमूल-तत्व	१२।२५२
३५. दार्शनिक विचारधारा और भारत	५।१०८

३६. धर्मके नाम पर धनका दुरुपयोग	१।१५
३७. नवयुवद्वन्द्व दिङ्नाष्टकम्–श्रीश्री	८।१६१
३८. नाम-महिमा	६-७।१३८
३९. नामाचार्य हरिदास ठाकुर	३।५३
४०. नामाश्रयका फल	२।३४
४१. प्रचार-प्रसंग	४।६५, ५।११६
४२. भक्तके भगवान्	१।१६
४३. भगवानकी अप्रकट लीलाका रहस्य	२।२८, ३।५१, ४।७५
४४. भागवत	८।१७६
४५. भागवत कथा–श्री	६-७।१३६
४६. भागवत पत्रिकाके सम्बन्धमें–श्री	५।१२०, १०-११।२४८
४७. भागवतं प्रमाणममलम्–श्री	३।५५
४८. भारत परिक्रमापार्टीका जयपुरमें अपूर्व स्वागत	६-७।१५६
४९. महाप्रयाण	६-७।१६०
५०. मानव सर्वश्रेष्ठ क्यों है ?	५।६६
५१. मुकुन्दमुक्तावली	१।१, २।२५, ३।४६
५२. यमुनाष्टक (कविता)	१।१०
५३. रघुनाथदास गोस्वामी–श्री	८।१६५
५४. रथयात्रा महोत्सवका आह्वान	२।४८
५५. राम नामकी महिमा (कविता)	८।१७८
५६. रूसी भाई और उनकी स्पुटनिक	२।३५, ३।६४, ४।८६
५७. रे मन जनम अकारथ खोइसि	८।१७५
५८. वैष्णवके प्रति जातिबुद्धि	१२।२५१
५९. शारदीया पूजा	५।१११
६०. शृणु मे परमं वचः	२।४४
६१. सम्पूर्ण भारतके तीर्थोंके दर्शनका अपूर्व सुयोग	१।२२, २।४७
६२. सद्गुरु और भक्ति	५।१०३
६३. सदाचार और मानव	१२।२६५
६४. सनातन धर्म	१०-११।२२७
६५. साधु कौन है ?	१२।२५७
६६. साहित्य समालोचना	६।२०६
६७. सुन्दरवन अंचलमें श्रीआचार्यदेव	२।४६
६८. श्रीसूत शौनक सम्वाद	५।११६
६९. श्रीस्वनियम दशकम्	१०-११।२०६
७०. हरिनाम	१।५

आठवें वर्ष की विषय सूची

विषय	संख्या और पत्रांक
१. श्रीराधिकाष्टकम्	१।१
२. सुनीति और दुर्नीति	१।३
३. प्रयोजन-विचार	१।६
४. भागवत धर्मकी महत्ता	१।८
५. भगवानकी कथा	१।१२; ३।६४; ६।१२६; ७।१६३; ९।२०५, १०-११।२३७
६. श्रीचैतन्य महाप्रभुकी शिक्षा	१।१५, ५।१०२; ६।१४०; ७।१६५; ८।१७३ ९।१९८; १०-११।२४२; १२।२६३
७. श्रीभागवतपत्रिकाका अष्टम वर्षमें पदार्पण	१।२०
८. श्रीरथयात्राका आह्वान	१।२४
९. श्रीवृन्दावनाष्टकम्	२।२५
१०. प्राकृत और अप्राकृत	२।२७
११. रे मन, कृष्णनाम कहि लीजै (कविता)	२।३०
१२. उपनिषद्वाणी	(छान्दोग्य ७-२।३१, ७।१५८; ८।१७७; ९।२०९; १०-११।२४०
१३. श्रीमद्भागवतका रचयिता और रचनाकाल	२।३५
१४. कलि	२।४५; ३।५६.
१५. श्रीमद्भक्ति विनोद विरहदशकम्	३।४९
१६. गुरुसेवकका कर्तव्य	३।५२
१७. हरिनामकी महिमा	३।५५
१८. सदाचार और मानव (२)	३।५९
१९. श्रीगिरिधारी दासाधिकारीका परलोकगमन	३।६७
२०. जिनकी विरह तिथियाँ मनायी गयी हैं	३।६८; ६।१३४;
२१. उड़ीसामें समितिकी नयी शाखा	३।७२
२२. श्रीरथयात्रा-महोत्सव	३।७२
२३. श्रीराधाकुण्डाष्टकम्	४।७३.
२४. ऐकान्तिक और व्यभिचारी	४।७५.
२५. श्रीलघु-भागवतामृत	४।७७
२६. श्रीमद्भागवतमें वात्सल्य-भाव	४।८०; ५।११७; ६।१२८
२७. व्रजके विरही	४।८८.
२८. वृन्दावनकी पृष्ठभूमि	४।८९; ६।१३६
२९. नन्दोद्धार	४।९२; ५।११३; ६।१३२; ८।१८३,
३०. प्रचार-प्रसंग	४।९४; ६।१४४
३१. जयपुरमें श्रीआचार्यदेव	४।९५
३२. श्रीकृष्णचन्द्राष्टकम्	५।९७
३३. श्रीकृष्ण-तत्त्व	५।९९

विषय	संख्या और पत्रांक
३४. गोकुलका प्रेम	५।१०१
३५. श्रीकृष्णाविर्भाव-महोत्सव	५।११०
३६. उपनिषद उपाख्यान	५।११५
३७. उत्तर भारतके तीर्थोंमें भ्रमण	५।११६.
३८. श्रीकृष्णस्तोत्रम्	६।१२१
४६. अधिरोहवादमें गुरुग्रहण	६।१२३
४०. परहिंसा और दया	६।१२४
४१. श्रीकृष्णस्तोत्रम	७।१४५
४२. श्रीभक्तिमार्ग	७।१४७
४३. असत्संङ्ग	७।१५५
४४. स्वधाम गमन (त्रि० स्वा० भक्तिवेदान्त परमार्थी महाराज)	७।१६२
४५. भारतीय संस्कृतिकी रक्षाके लिए हिमालयकी पुकार	७।१६७
४६. श्रीकेशवाष्टकम्	८।१६६
४७. विषयीका कृष्णप्रेम	८।१७१.
४८. व्रजमें उद्धव	८।१७६.
४६. श्रीराधा-प्रार्थना-चतुःश्लोकी	८।१८७
५०. श्रीमद्भागवतमें सख्यभाव	८।१८८
५१. श्रीपत्रिका-प्रसस्ति	८।१६२.
५२. श्रीगौराङ्गस्मरणमङ्गल स्तोत्रम्	२।१६३.; १०-११।२१७; १२।२५६
५३. ऐकान्तिक हरिभजन	६।१६६.
६४.गौड़ीय वेदान्त चतुष्पाठी और गौड़ीय दातव्य चिकित्सालय	६।२१३.
५५. श्रीनवद्वीपधाम परिक्रमा और विग्रह प्रतिष्ठाका निमन्त्रण	६।२१६.
५६. धाम और सहजिया विचार	१०-११।२१६
५७. श्रीश्रीआचार्य वन्दना	१०-११।२२३
५८. प्रश्नोत्तर	१०-११।२२४
५६. श्रीगुरु-तत्त्व	१०-११।२३१
६०. श्रीगुरुपादपद्ममें पुष्पांजलि	१-०११।२४६.
६१. श्रीधाम परिक्रमा और श्रीविग्रह-प्रतिष्ठा	१०-११।२५०
६२. इन्द्रप्रस्थ गौड़ीय मठमें श्रीविग्रह प्रतिष्ठा	१०-११।२५७
६३. श्रीभागवत पत्रिकाके सम्बन्धमें विवरण	१०-११।२५८.
६४. वैष्णवका स्वतः सिद्ध ब्राह्मणत्व और अप्राकृतत्व,	१२।२६१
६५. श्रीविग्रह तत्व	१२।२६७
६६. नाम तत्व-विचार	१२।२७३.
६७. जा दिन मन पंछी उड़ि जैहैं	१२।···

नवें वर्षकी विषय-सूची

विषय	संख्या और पत्रांक
१. श्रीगौराङ्गस्मरणमङ्गल स्तोत्रम्	१।१,२।२५,३।४६,४।७३,५।६७,६-७।१२१,८।१६१,९।१८६,१०-११।२०९
२. श्रीधाम मायापुर कहाँ है ?	१।२
३. श्रद्धा	१।६
४. श्रीमद्भागवतमें सख्यभाव	१।९,३।६७,३।८१ ६-७।१३०
५. श्रीरथ-यात्रा-महोत्सवका आह्वान	१।१५
६. श्रीमन्महाप्रभुकी शिक्षा	१।१६,२।४०,५।११३,६-७।१४८,८।१८०
७. उपनिषद् वाणी	१।२१,२।३२,५।१०६,६-७।१२८
८. अनर्थ दूर करनेका उपाय	२।२७
९. सिद्धान्तरत्न या वेदान्त-पीठक	२।२८,२।५६,३।७८
१०. भगवान्‌की कथा	२।३६,३।१३,३।८४
११. श्रीरथ-यात्रा महोत्सव	२।४४
१२. मनुष्य किसे कहते हैं ?	२।४५
१३. अलौकिक भक्त चरित्र	३।५१
१४. हरिनाम संकीर्तन	३।५९
१५. श्रीकृष्ण-आविर्भाव (पद्य)	३।६६
१६ प्रचार-प्रसंग (झूलन-यात्रा, श्रीबलदेवाविर्भाव, जन्माष्टमी)	३।७०,४।९३
१७. श्रीकेदार-बद्रीनारायणकी यात्रा	३।७२
१८. गौड़पुर	४।७५
१९. वृन्दावनकी पृष्ठभूमि	४।८९,५।१११,६-७।१४५,९।२०४,१०-११।२२६
२०. समग्र भारतके तीर्थोंके दर्शनका सुवर्ण सुयोग	४।९५
२१. सात्त्वत और असात्वत्	५।९९
२२. मायावादी कौन है ?	५।१०२
२३. गौड़ीय वेदान्त चतुष्पाठी	५।१२०
२४. श्रीमती राधिकाका दास्य ही हमारे लिये परम लोभनीय है	६-७।१२३
२५. माला और तिलक-धारणकी नित्यता	६-७।१२६

विषय	संख्या और पत्रांक
२६. प्राचीन संस्कृत-साहित्यमें व्रज और उसका महत्व	६-७।१४१
२७. श्रीशचीसुताष्टकम्	६-७।१४४
२८. प्रचार-प्रसंग (अन्नकूट महोत्सव, गौरकिशोर बाबाजीका तिरोभाव)	६-७।१५८,८।१८४,९।२०७
२९. राधाकृष्ण नाम नित लीजे (पद्य)	६-७।१६०
३०. सर्वप्रधान विवेचनीय विषय	८।१६५
३१. प्रश्नोत्तर (गौड़ीय पूर्वाचार्योंका वैशिष्ट्य)	८।१६७,९।१९२,१०-११।२१२
३२. ईश्वरके साकारत्व और निराकारत्वके विषयमें विभिन्न मतवाद	८।१७०
३३. सहजियावाद—गोस्वामियोंका अनुमोदित मत नहीं है	८।१७३
३४. श्रीमध्व-मुनिचरित	९।१९२
३५ .नित्य-धर्म	९।१९७
३६. दर्शनमें भ्रान्ति	१०-११।२१६
३७. तीर्थी कुर्वन्ति तीर्थानि	१०-११।२१९
३८. सन्दर्भसार	१०-११।२२२
३९. महाभारतका आविर्भाव काल और पूर्व इतिहास	१०-११।२२७
४०. गोपाल तापनी	१०-११।२३३
४१. श्रीचैतन्यशिक्षामृत	१०-११।२३४
४२. पत्रिकाके सज्जन पाठकोंसे नम्र निवेदन	१०-११।२४८
४३. श्रीभागवत पत्रिकाके सम्बन्धमें विवरण	१०-११।२४८
४४. आचार्य-वन्दना	१२।२४९
४५. श्रीब्रह्म-माध्व-गौड़ीय भागवत-परम्परा (रेखा द्वारा)	१२।२५०
४६. श्रीब्रह्म-माध्व-गौड़ीय-गुरु परम्परा (संस्कृत पद्य)	१२।२५१
४७. आम्नाय-विवृति	१२।२५३
४८. श्रीगुरुवन्दना (पद्य पुष्पांजलि)	१२।२६८
४९. आचार्य	१२।२६९
५०. श्रीआचार्यदेवकी कृपावैशिष्ट्य-कुसुम-चयनिका	१२।२७३
५१. श्रीगुरुचरणोंमें पुष्पांजलि	१२।२७७
५२. श्रीश्रीमद्भक्तिसारंग गोस्वामी महाराजका नित्यलीलामें प्रवेश	१२।२७९
५३. नेहरूजीका परलोक गमन	१२।२८०
५४. श्रीश्री व्यासपूजा-महोत्सव	१२।२८०

दसवें वर्षकी विषय सूची

विषय	संख्या और पत्रांक
१. श्रीश्रीगौराङ्ग स्तवकल्पतरु	१-२।१
२. त्रिविध अधिकार	१-२।४
३. प्रश्नोत्तर	१-२।८,३।५०,६-७।१४३,८।१६२,
४. नरतनुकी सार्थकता	१-२।१३
५. उपनिषद्-वाणी	१-२।१४
६. श्रीमद्भागवतमें दास्यभाव	१-२।१७,५।१०१,९।१८७,१०-११।२१३
७. श्रीश्रीगौराङ्ग आविर्भाव महोत्सव	१-२।२४
८. तत्त्व-विवेक	१-२।२७
९. प्रसूनाञ्जलि	१-२।२९
१०. श्रीचैतन्य शिक्षामृत	१-२।३१,३।५९,४।७५,६-७।१२४,८।१७१,९।१९८,११।२२७,१२।२५५
११. प्रचार-प्रसङ्ग	१-२।३६,४।८७,६-७।१५०,१०-११।२२७,१२।२६१
१२. श्रीमुकुन्दाष्टकम्	३।४१
१३. सात्वत श्राद्ध और कर्म-जड़ स्मृति	३।४३
१४. सद्गुरुके निकट एक जिज्ञासु	३।५५
१५. स्वाधीनता	३।६३
१६. कतिपय भाव-प्रसून	३।६४
१७. साहित्य-समालोचना	२।६४
१८. श्रीनरोत्तम प्रभोरष्टकम्	४।६५
१९. श्रीबलदेव प्रसंग	४।६७
२०. साधुसंगमें तीर्थ दर्शनका सुवर्ण सुयोग	४।८२
२१. वैष्णव पहिचान	४।८३
२२. श्रीश्रीराधाष्टमी व्रत	४।८८
२३. श्रीश्रीदामोदराष्टकम्	५।८९
२४. महान्त गुरुतत्त्व	५।९१
२५. श्रीबलभद्र जन्मोत्सवका शास्त्रीय विवेचन	५।९४
२६. विरहिन	५।९६

२७. श्रीचैतन्य महाप्रभुके सिद्धान्त	५।६७,६-७।१३७
२८. दैन्य-निवेदन	५।११०
२९. श्रीभक्तिविनोद ठाकुरकी आरती	५।१११
३०. श्रीश्रीभक्तिविनोद ठाकुरका आविर्भाव महोत्सव	५।११२
३१. श्रीप्रेमाम्भोज-मरन्दाख्य-स्तवराज:	६-७।११३
३२. श्रीभक्ति मार्ग	६-७-११५
३३. चेतावनी	६-७।१२३
३४. सन्दर्भ-सार	६-७।१३१,८।१६१,९।१८३,१०-११।२२३
३५. श्रीशुक उवाचका रहस्य	६-७।१३५
३६. श्रीश्रीनवाष्टकम्	८।१५४
३७. प्रीतिकी रीति	८।१५६
३८. श्रीनरोत्तम ठाकुरकी प्रार्थना	८।१७
३९. श्रीप्रभुपादकी उपदेशावली	८।१६१
४०. श्रीरामानुचार्य	८।१६७
४१. श्रीश्रीव्यासपूजाका निमन्त्रण-पत्र	८।१७५
४२. श्रीप्रार्थनाश्रय चतुर्दशकम्	९।१७७
४३. शुद्धभक्ति-धर्ममें प्रवेशके लिये कुछ आवश्यक बातें	९।१८०
४४. हरिनाम	९।१८६
४५. श्रीभगवन्नामाष्टकम्	१०-११।२०१
४६. श्रीमध्वमुनि चरित	१०-११।२०४
४७. श्रद्धा	१०-११।२१०
४८. श्रीश्रीनवद्वीपधाम परिक्रमा और श्रीश्रीगौरजन्मोत्सव	१०-११।२३८
४९. श्रीभागवत-पत्रिकाके सम्बन्धमें	१०-११।२४०
५०. श्रीनृसिंह स्तव:	१२।२४२
५१. यथार्थ भोक्ता कौन है ?	१२।२४५
५२. अभिलाषा	१२।२४९
५३. धर्माडम्बर	१२।२५०
५४. सनातनका बन्धन मोचन	१२ २५१
५५. श्रीमद्भागवतमें श्रीकृष्ण चैतन्यदेव	१२।२५८

श्रीभागवत-पत्रिका ग्यारहवें वर्षकी
विषय-सूची

विषय	संख्या और पत्रांक
१. श्रीश्रीमन्महाप्रभोरष्टकम्	१।१
२. कातर-निवेदन	१।३
३. आमिष और निरामिष	१।४
४. 'कहा हम कीनौ नर तन पाई'	१।६
५. प्रश्नोत्तर (कृष्ण-तत्त्व; अवतारतत्त्व; रसतत्त्व, नाम-तत्त्व	१।७,२।३२; ३।५५,४।८१, ५।१०५,६-७।१३०, ९-१०। १८८,११।२३१, १२।२५९
६. सन्दर्भ-सार (तत्त्व सन्दर्भ ५,६, श्रीकृष्ण सन्दर्भ १,२,३,४५)	१।११,३।६४, ४।८४,५।१०७, ६-७।१३७, ९-१०।१९१, ११।२३४,
७. श्रीचैतन्यशिक्षामृत	१।१७,३।७०,४।८८,६-७।१४१,९-१०।१९८,११।२३८
८. श्रीकुञ्जविहारी (द्वितीयाष्टकम्)	२।२६
९. देश-सेवा	२।२७
१०. श्रीमद्भागवतमें दास्यभाव	२।३६,५।१११
११. श्रीचैतन्य महाप्रभुकी शिक्षा	२।४२
१२. श्रील आचार्य देवका भाषण	२।४३,३।५९
१३. श्रीपीछलदा गौड़ीयमठमें स्नान-यात्रा महोत्सव	२।४६
१४. वावरी गोपिकाका प्रेमोन्माद	२।४७
१५. प्रचार प्रसंग	२।४८,४।९४,६-७।१५७, ११।२४२,१२।२७१
१६. श्रीदान-निर्वर्त्तन कुण्डाष्टकम्	३।४९
१७. चातुर्मास्य	३।५१
१८. प्रार्थना-पद्धति	४।७३
१९. दीक्षित	४।७५
२०. बधाई	४।९३
२१. पाकिस्तानी दस्तुओंकी पराजय सुनिश्चित है–	४।९६
२२. श्रीगोपालराज-स्तोत्रम्	५।९७
२३. भक्त-निष्ठा	५।१००

विषय	संख्या और पत्रांक
२४. स्मार्त और वैष्णव	५।१०१
२५. भगवन्नामकी महिमा	५।१२०
२६. श्रीअन्नकूट महोत्सवका निमन्त्रणपत्र	५।१२०
२७. श्रीश्रीमदन गोपाल स्तोत्रम्	६-७।१२१
२८. प्रकृत भोक्ता कौन है ?	६-७।१२६,
२९. भक्त महिमा	६-७।१४९
३०. गीताका तात्पर्य	६-७।१५०
३१. श्रीगोपालदेवाष्टकम्	८।१६१
३२. गौड़ीय भजन प्रणाली	८।१६३
३३. स्मार्त्तोंका अशौच	८।१६८
३४. श्रीमद्भागवतमें माधुर्यभाव	८।१७३,९-१०।२१०,१२।२६२
३५. परलोकमें शास्त्रीजी	८।१८१,१२।२७२
३६. जैवधर्म	८।१८२
३७. श्रीव्यासपूजाका निमन्त्रण-पत्र	८।१८३
३८. श्रीगौरजन्मोत्सव और धाम-परिक्रमाका	८।१८४
निमन्त्रण पत्र	
३९. श्रीश्रीगोविन्ददेवाष्टकम्	९-१०।१८५
४०. कृष्णमें भोग बुद्धि	९-१०।१८७
४१. गौरावतार कथा	९-१०।१९५
४२. भागवत-जीवन	९-१०।२१५
४३. एकादशी-व्रत माहात्म्य	९-१०।२२१
४४. श्रीश्रीगोपीनाथ-देवाष्टकम्	११।२२५
४५. दीक्षित	११।२२७
४६. श्रीगौरजन्मोत्सव और परिक्रमा-विवरण	११।२४४
४७. पुष्पाञ्जलि	११।२४७
४८. निर्याण-सम्वाद	११।२४८
४९. श्रीभागवत-पत्रिकाके सम्बन्धमें विवरण	११।२४८
५०. श्रीश्रीगान्धर्वा संप्रार्थनाष्टकम्	१२।२५०
५१. अकृत्रिम आचार और आचार्य	१२।२५१

बारहवें वर्षकी श्रीभागवत पत्रिकाकी

विषय-सूची

विषय	पृष्ठ
१. आचार्य वन्दना	१।१
२. वास्तव-वस्तु	१।२
३. प्रश्नोत्तर	१।३, २।२६, ३।५६, ४-५।७६, ४-५।१०६, ६-७।१२१, ८।१५६, ९।१८४, १०-११।२०६, १२।२४८
४. सन्दर्भ-सार	१।७, २।३२, ३।६०, ४-५।६४, ६-७।१२६, ९।१८७, १०-११।२१२, १२।२५२
५. श्रीचैतन्य शिक्षामृत	१।१२, ३।७०, ४-५।१०५, ८।१६३, १०-११।२२९
६. द्वादश वर्ष	१।२०
७. श्रीकृष्ण (पद्य)	१।२३, ४-५।१०७
८. जैवधर्म	१-२४, ९।१९८
९. आनन्दचन्द्रिका-स्तोत्रम्	२।२५
१०. कीर्तनमें विज्ञान	२।२६
११. श्रीरूप गोस्वामी और प्रेम-तत्त्व	२।३६
१२. श्रील आचार्यदेवका भाषण	२।४२
१३. दैन्य निवेदन	२।४६
१४. प्रचार प्रसंग	२।४८, ४-५।९८, ८।१७२
१५. श्रीव्रजविलास-स्तवः	३।४६, ४-५।७३, ६-७।११३, ८।१५३, ९।१७७, १०-११।२०१, १२।२४१
१६. इह लोक	३।५३
१७. श्रीमद्भागवतमें माधुर्यभाव	३।६३, ४-५।८६, ९।१९२, १२।२५५
१८. जीवका स्वरूप और स्वधर्म	३।६७
१९. गुरु पूर्णिमा या व्यासपूजा	३।६९
२०. परलोक	४-५।७७
२१. श्रीराधाष्टमी	४-५।८३
२२. विनय	४-५।९३
२३. प्रतीक्षा	४-५।९७
२४. दीक्षाकी शुभ बेला पर	४-५।१०१

२५. श्री गौड़ीय वेदान्त समितिके छात्रोंकी अपूर्व सफलता	४-५।१०३
२६ केदारनाथ-बद्रीनाथकी परिक्रमा	४-५।१०४
२७. युक्त वैराग्यका स्वरूप	४-५।११२
२८. श्रीगौर-भजन	६-७।११७
२९. वैष्णवधर्मकी प्रस्तावना	६-७।१२९
३०. बापूकी तो मानो	६-७।१४०
३१. बेकार गौ और दुष्ट आदमी	६-७।१४३
३२. राष्ट्र-कलंक गोहत्या अविलम्ब बन्द हो	६-७।१४४
३३. महाप्रयाण	६-७।१४८
३४. विरह महोत्सव	६-७।१५०
३५. श्रीदामोदर-व्रत और श्रीश्रीअन्नकूट महोत्सव	६-७।१५१
३६. स्मार्तका काण्ड	८।१५७
३७. चिज्जगत्	८।१६१
३८. दुराग्रह या सर्वनाश	८।१७२
३९. श्रीमद्भागवतकी नामानुक्रमणिका	८।१७३
४०. शक्ति-संचार	९।१८१
४१. गौ-हत्या भारतसे बन्द करो (पद्य)	९।१९०
४२. श्री श्रीव्यास पूजाका निमंत्रण पत्र	९।१९९
४३. सेवापर नाम	१०-११।२०५
४४. जीव सेवा और जीवके प्रति दया	१०-११।२१६
४५. सनातन धर्म	१०-११।२१९
४६. सम्राट कुलशेखरकी प्रार्थना	१०-११।२२५
४७. त्रिदण्डि स्वामी श्रीमद्भक्तिप्रकाश अरण्य महाराजका स्वधाम-प्रयाण	१०-११।२३७
४८. श्रीभागवत पत्रिकाके सम्बन्धमें विवरण	-११।२४०
४९. श्रीकृष्ण-सेवा	१२।२४५
५०. श्रीश्रीजीव गोस्वामी	१२।२५१
५१. वैष्णव वन्दना	१२।२५४

श्रीभागवत-पत्रिकाके तेरहवें वर्षकी

विषय-सूची

विषय	संख्या/पृष्ठ
(१) श्रीव्रजविलास-स्तवः	१।१, २।२५
(२) जब जिधर हवाका रुख हो	१।६
(३) प्रश्नोत्तर [विद्ध-वैष्णव–१।१०, गृहस्थ वैष्णव–२।३१, परमहंस स्वरूप–३-४।५७, विज्ञान ५-६।१००, दर्शन–७।१३७, ऐतिह्य ८।१६२, ९।१८५, श्रुति-प्रस्थान १०-११।२०९, स्मृति-प्रस्थान १२।२४८]	
(४) सन्दर्भ-सार [कृष्ण-सन्दर्भ—(१६) १।११, (१७) २।३४, (१८) ३-४।६१, (१९) ५-६।१०२, (२०) ७।१४१, (२१) ८।१६४, (२२) ९।१८९, (२३) १०-११।२१३, (२४) १२।२५० ।	
(५) श्रीचैतन्य-शिक्षामृत	**१।१६, २।४४, ५-६।११४, ९।१९४, १०-११।२२३, १२।२५५**
(६) श्रीनवद्वीपधाम-परिक्रमा और श्रीगौरजन्मोत्सव	१।२१
(७) प्रचार-प्रसङ्ग	१।२३, ३-४।८३, ५-६।१२७, ९।१९८, १२।२६२
(८) जैवधर्म (सूचना)	१।२४, ३-४।८८, ८।१६८, १०-११।२३९
(९) श्रीधर स्वामीपाद और मायावाद	२।२८
(१०) श्रीमद्भागवतमें माधुर्यभाव	२।३९, ३-४।६५, ७।१४५, ८।१६९, १०-११।२१६,
(११) श्रीकृष्ण (कविता)	२।४३, ३-४।६९, ८।१७२
(१२) श्रीमद्भागवतमें पात्रोंकी अनुक्रमणिका	२।४७, ३-४।७९
(१३) श्रीहिन्दोलन-लीला-वर्णनम् (पूर्वार्द्धम्)	३-४।४९
(१४) श्रीरूपानुग भजन-पथ	३-४।५४
(१५) श्रीकृष्णाविर्भाव	३-४।७२, ५-६।१०८
(१६) श्रीझूलन यात्रा	३-४।८५
(१७) नम्र-निवेदन	३-४।८७
(१८) श्रीहिन्दोलनलीला-वर्णनम् (उत्तरार्द्धम)	५-६।८९
(१९) श्रेयः और प्रेयः	५-६।९५

विषय	संख्या पृष्ठ
(२०) सम्राट कुलशेखरकी प्रार्थना	५-६।१०५, ७।१४८
(२१) श्रीनन्दनन्दनकी शोभा	५-६।११३
(२२) भक्तोंद्वारा मुक्तिका अनादर	५-६।१२१
(२३) विरह-संवाद — त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद्भक्ति विज्ञान आश्रम महाराज, ,, ,, कुशल नारसिंह महाराज, ,, ,, सर्वस्व गिरि महाराज	५-६।१२२
(२४) प्रार्थना	५-६।१२४
(२५) श्रीदामोदर-व्रत और श्रीअन्नकूट महोत्सव	५-६।१२५
(२६) श्रीश्रीव्रजनवीनयुवद्वन्द्वाष्टकम्	७।१२९
(२७) अन्याभिलाष	७।१३३
(२८) समितिके छात्रकी सफलता	७।१५२
(२९) श्रीश्रीव्रजनवयुवराजाष्टकम्	८।१५३
(३०) नर-जीवनका कर्तव्य (कविता)	८।१५६
(३१) श्रीकृष्णाविर्भाव	८।१५७
(३२) यदाहन्तैर्मिलितः	८।१७४
(३३) श्रीव्यासपूजाका निमंत्रण-पत्र	८।१७६
(३४) श्रीकार्पण्यपञ्जिकास्तोत्रम्	९।१७८, १०-११।२०२, १२।२४१
(३५) गौड़ीय भजन-प्रणाली	९।१८१
(३६) पुष्पांजलि	९।१९३
(३७) श्रीश्रीनवद्वीपधाम-परिक्रमा और श्रीश्रीगौर-जन्मोत्सव (निमंत्रण-पत्र)	९।१९८
(३८) श्रीमद्भागवत	१०-११।२०५
(३९) श्रीमद्भागवतका स्वरूप	१०-११।२२९
(४०) श्रीमद्भक्ति विनोद-संगस्मृति	१०-११।२३१
(४१) श्रीश्रीनवद्वीप-धाम-परिक्रमा और श्रीगौरजन्मोत्सव (विवरण)	१०-११।२३७
(४२) श्रीमद्भागवत-पत्रिकाके सम्बन्धमें विवरण	१०-११।२३९
(४३) अनर्थ युक्त व्यक्तिका स्वप्नदर्शन और यथार्थ भजन	१२।२४५
(४४) वर्ष-शेष	१२।२६३

श्रीभागवत पत्रिकाके चौदहवें वर्षकी

विषय-सूची

विषय	संख्या।पृष्ठ
(१) अपनी कुछ बातें	१२।२५१
(२) ऐसे कब करिहौ गोपाल (कविता)	५।९२
(३) कृपाकी कोर कीजै कृष्ण प्यारे (कविता)	१२।२५९
(४) कृष्णकी रूप-माधुरी (कविता)	८।१५८
(५) कविता पुष्पांजलि	१-२।२९
(६) क्या वेदोंमें गोमांस-भक्षण का विधान है ?	१-२।३०
(७) गोपियोंका कृष्ण तादात्म्य	१-२।२२
(८) गोपियोंके अतृप्त नैन (कविता)	३-४।७६
(९) गोड़ीयोंका वेष	५।८५
(१०) त्रिदंडिस्वामी श्रीश्रीमद् भक्तिसाधक निष्किंचन महाराजका नित्यलीलामें प्रवेश	९।१९५
(११) धन्य कलि धन्य है (कविता)	१२।२५४
(१२) नित्यलीलाप्रविष्ट ॐ विष्णुपाद १०८ श्रीश्रीमद् गुरुदेवकी स्मृतिमें विरह–महामहोत्सव और विरह-सभा	७।१४३
(१३) परमाराध्यतम श्रीश्रील आचार्यदेवका नित्यलीलामें प्रवेश	५।९८
(१४) परमाराध्यतम श्रीश्रील गुरुदेवकी आविर्भाव-तिथि पर दीन-हीनका हृदयोद्गार	११।२४५
(१५) परमाराध्यतम श्रीश्रील गुरुदेवके आविर्भावोत्सव पर दीन-हीनकी श्रद्धा-कुसुमांजलि	११।२४६
(१६) परमाराध्यतम श्रीश्रील गुरुदेवके आविर्भावोत्सव पर विरहपूर्ण हृदयोच्छ्वास	९।१८९
(१७) पूज्यपाद श्रीमद् अद्वैतदास बाबाजी महाराजका महाप्रयाण	८।१७४
(१८) प्रभु, मेरी विनति सुन लीजै (१) (कविता)	६।१२६
(१९) प्रभु मेरी विनति सुन लीजै (२) (कविता)	९।१८०

विषय	संख्या।पृष्ठ
(२०) प्रचार-प्रसङ्ग	१-२।३२, ३-४।७७, ६।१६७, १२।२६८
(२१) प्रश्नोत्तर [प्रकरण–प्रस्थान १-२।४, श्रीमद्भागवत ३-४।५०, पारमार्थिक साहित्य ५।८६, अभिधेय-तत्व ८।१५६ वैधी भक्ति १०।२०७, वैधी भक्ति ११।२३२, श्रद्धा १२।२५५]	
(२२) पाश्चात्य देशोंमें श्रीश्रीचैतन्य वाणीका प्रचार	१२।२७१
(२३) भजो रे मन नन्दकुमार (कविता)	३-४।७२
(२४) भारत और परमार्थ	१०।२०३, ११।२२८
(२५) माननीया श्रीमती महालक्ष्मी देवीका परलोकगमन	१२।२६५
(२६) मीराबाई और भक्ति-तत्व	८।१७१
(२७) यदि गौरचन्द्र न आते (कविता)	१२।२६७
(२८) युगल-स्वरूपका ध्यान (कविता)	३-४।७६
(२९) रे मन ! गौर-गौर नित गइए (कविता)	१२।२७०
(३०) रे मन ! जनम सफल करि लीजै (कविता)	११।२४४
(३१) ॐ विष्णुपाद १०८ श्रीश्रीमद् भक्तिप्रज्ञान केशव गोस्वामी महाराजका नित्यलीलामें प्रवेश	७।१३७
(३२) वेदोंमें वर्णित परब्रह्म गोपियोंके गोदमें	३-४।४६
(३३) शिक्षक और शिक्षित	८।१५६
(३४) शीघ्र ही संग्रह करें (विज्ञापन)	६।१२८
(३५) श्रीकृष्णस्य महानन्दाख्य–स्तोत्रम् (पद्य)	१०।२०१
(३६) श्रीकृष्णस्य लोलामृतनामकं स्तोत्रम् (पद्य)	१२।२४६
(३७) श्रीगुरुदेवस्तवामृतम्	६।१७७
(३८) श्रीगोपालचम्पू का प्रतिपाद्य विषय	५।१०२
(३९) श्रीत्रिभंगी–पञ्चक स्तोत्रम् (पद्य)	११।२२५
(४०) श्रीचातुर्मास्य	१-२।३३
(४१) श्रीचैतन्य महाप्रभु गाइए (कविता)	१-२।१८
(४२) श्रीभागवत पत्रिकाके प्रेमी पाठकोंसे नम्र निवेदन	६।१२७
(४३) श्रीमद्भागवत (१) (लेख)	१-२।२
(४४) श्रीमद्भागवत (२) (लेख)	३-४।४४
(४५) श्रीमद्भागवत के टीकाकार (श्रीधरस्वामी–२)	३-४।५८
(४६) श्रीमद्भागवत–महिमा (श्लोक)	१-२।१

विषय	संख्या।पृष्ठ
(४७) श्रीमद्भागवतमें माधुर्यभाव	१-२।१३, ३-४।७३, ५।१२१
(४८) श्रीराधिकाष्टोत्तरशतनाम-स्तोत्रम्	३-४।४१, ५।८१, ६।१०५, ७।१२६
(४९) श्रीललिताष्टकम् (पद्य)	८।१५३
(५०) श्रीवेदान्त-चतुष्पाठीके छात्रोंकी सफलता	६।११७
(५१) श्रीव्यासपूजाका निमन्त्रण	८।१७५
(५२) श्रीव्यासपूजाके अवसर पर प्रति-निवेदन	९।१८१
(५३) श्रीव्यासपूजा क्यों की जाती है ?	९।१९०
(५४) श्रीश्रीचैतन्य-शिक्षामृत	१-२।३६, ५।१६, ६।११२, १०।२१८
(५५) श्रीश्रीदामोदर-व्रत और अन्नकूट-महोत्सव	६।१२८
(५६) श्रीश्रीनवद्वीप धाम परिक्रमा और श्रीश्रीगौर-जन्मोत्सव	१०।२२४
(५७) श्रीश्रील गुरुदेवके विरहोत्सव पर प्रार्थना-कुसुमांजलि	८।१६६
(५८) सन्दर्भ-सार [श्रीकृष्ण-सन्दर्भ—(२५) १-२।७, (२६) ३-४।५२, (२७) ५।९३, (२८) ६।११८, (२९) ८।१६७, (३०) १०।२१२, (३१) ११।२३७, श्रीभक्ति-सन्दर्भ १२।२६१]	
(५९) सम्बन्ध (लेख)	१२।२५७
(६०) संयुक्त राष्ट्र अमेरिकाके विभिन्न नगरोंमें श्रीश्रीगुरु महाराज की स्मृतिमें विरह-सभा	७।१४९
(६१) सम्राट् कुलशेखर की प्रार्थना	३-४।६९
(६२) सूत्र-विद्वेष	६।१०९, ७।१३२

श्रीभागवत-पत्रिकाके पन्द्रहवें वर्षकी

विषय-सूची

विषय	संख्या और पत्रांक
१. अनर्थ और असत्सिद्धान्त निरास	४-५।७०
२. आचार्य-वन्दना	१०।१८६
३. आत्मवञ्चना (प्रबन्ध)	४-५।८७
४. कृपाकी कोर कीजै कृष्णप्यारे	१।१७, ४-५।८६
५. कृष्णनामकी महिमा (श्लोक)	१०।१६०
६ गोविन्द	१२।२३६
७. ग्रन्थ समालोचना	२-३।६४
८. त्रियुगका धर्म और कृष्णनाम-संकीर्त्तन	८-९।१५२
९. दीन हीन अयोग्य सेवककी क्षुद्र-पुष्पांजलि	१०।२००
१०. धर्म और नीति	१।१३
११. नित्यलीलाप्रविष्ट परमाराध्यतम १०८ श्रीश्रीमद्भक्तिप्रज्ञान केशव गोस्वामीके नवनिर्मित श्रीसमाधि-मन्दिरमें तदीय श्रीविग्रह प्रकटोत्सव	११।२३२
१२. परतत्त्व-विचार	१।१६, २-३।४२
१३. परमाराध्यतम श्रीश्रीलगुरुपादपद्मका प्रथम-वार्षिक विरहोत्सव	६-७।१४१
१४. पूतना-वध (कविता)	११।२३५, १२।२५१
१५. पूजा और सेवा	८-९।१८१
१६. प्रचार प्रसङ्ग	२-३।६२, ४-५।१०१, ६-७।१४५, ८-९।१८५, १०।२०९
१७. प्रभुसे दैन्यमयी प्रार्थना (पद्य)	१।१२
१८ प्रभुप प्रार्थना (पद्य)	१।८
१९. प्रभु मोहे काहे बिसरायो (पद्य)	१।२४
२०. प्रभु राखि लेहु सरनाई (पद्य)	२-३।५२
२१ प्रेमी भक्तकी दैन्यमयी प्रार्थना (श्लोक)	१०।२०८
२२ प्रेमी भक्तकी लालसा	१०।२१२
२३. प्रेमैकनिष्ठ भक्तकी निष्ठा	४-५।८०
२४. प्रश्नोत्तर	१।९, २-३।३४, ४-५।७७, ६-७।११०, ८-९।१६१, ११।२२५, १२ २४४
२५. बहिर्मुखता और कपटता	११।२१८
२६. भजो मन ! नन्दनन्दनचरन (पद्य)	१२।२६०
२७ भाई ! कुतार्किक !	२-३।२९

विषय	संख्या और पत्रांक
२८. भक्तोंका बाह्यापेक्षा-त्याग (श्लोक)	६-७।१०६
२९. भक्तोंकी महिमा (पद्य)	१०।१६५
३०. भक्तवत्सल-भगवान् (पद्य)	११।२१७
३१. मुरलीका प्रभाव (पद्य)	१२।२४७
३२. यथार्थ गुरु कौन हैं ? (श्लोक)	१०।१६६
३३. रे मन ! अजहूँ क्यों न सम्हारै ? (पद्य)	२-३।४१
३४. रे मन ! गोविन्द नाम क्यों बिसारो ? (पद्य)	८-९।१५१
३५. वर्त्तमान युगमें भगवद्भक्ति उपादेय है	२-३।५३
३६. वर्त्तमान युगमें भगवन्नामकी उपादेयता	४-५।८१
३७. व्रज-सुषमा श्रीजमुनाजी	८-९।१६८
३८. श्रीकृष्णका गोचारण	२-३।४६
३९. श्रीगुरु-भक्ति	१०।१६६
४०. श्रीचरणकमलोंमें सकातरपूर्ण भाव-पुष्पांजलि (कविता)	१०।२०५
४१. श्रीचैतन्य-शिक्षामृत षष्ठ-वृष्टि, चतुर्थ-धारा)	८-९।१७५,१२।२५४
४२. श्रीजमुनाजीकी महिमा (कविता)	६-७।१२१
४३ श्रीधाम नवद्वीपमें श्रीरथयात्राका प्रचलन क्या श्रीरूपानुगधाराके विरुद्ध है ?	६-७।१३५
४४. श्रीपादपद्मोंमें दासाधमकी क्षुद्र-पुष्पांजलि	१०।२०४
४५. श्रीपादपद्मोंमें दीन-हीन दासाधमकी भक्तिपूर्ण-पुष्पांजलि	१०।२०६
४६. श्रीब्रह्म-माध्व-गौड़ीय गुरु-परम्परा	१०।१६१
४७. श्रीब्रह्म-माध्व गौड़ीय भागवत-परम्परा	१०।१६०
४८. श्रीमती वृषभानुनन्दिनी	६-७।११०
४९. श्रीमद्भागवतीय श्रीकृष्ण-स्तोत्रावली १।१,२-३।२५,४-५।६५,६-७।१०५,८-९।१४९,११।२१३	१२।२३७
५०. श्रीव्यासपूजाका निमन्त्रण	६-७।१४८
५१. श्रीव्यासपूजाके अवसर पर प्रतिनिवेदन	१०।१६५
५२. श्रीविग्रह	१।५
५३. श्रीश्रीकृष्णजयन्ती	४-५।१५,६-७।१२८
५४. सन्दर्भ-सार (श्रीभक्तिसन्दर्भ २,३,४,५,६,७)	२-३।३६,४-५।८९,६-७।१२३,८-९।१६४, ११।२२९,१२।२४८
५५. हरिभजन नहीं हुआ !	१२।२५८
५६. हरि मेटो विपति हमारो (पद्य)	४-५।७६
५७ ज्ञानकी अप्रयोजनीयता (श्लोक)	८-९।१६५

श्रीभागवत पत्रिकाके सोलहवें वर्षकी

विषय-सूची

क्र०सं०	विषय	प०सं०पृ०सं०
१.	ॐ विष्णुपाद १०८ ..... केशव गोस्वामी महाराजकी शुभाविर्भाव तिथि-पूजाके उपलक्ष्यमें ... क्षुद्र पुष्पांजलि	११।२४६
२.	गुरुवर केशव ! दर्शन दीजै	१०।२२२
३	गुरुके क्या लक्षण हैं ? (श्लोक)	१०।२१७
४	गोस्वामी तुलसीदासजीके प्रति (कविता)	४।७८
५.	गोपीजन मनमोहन-श्याम (कविता)	५।९१
६.	ग्रन्थालोचन (ग्रन्थ-समीक्षा)	५।१११
७.	जड़ साहित्य और भगवद्भक्ति	१-२।३१, ३।५४
८.	तत्त्वज्ञान प्राप्तिका उपाय	५।९४
९.	नन्दनन्दनकी अद्भुत शोभा (पद्य)	६।११६
१०	नामरसिक भक्तकी लालसा (श्लोक)	१-२।१२
११.	परमाराध्यतम १०८ श्रीश्रील गुरुदेवकी आविर्भाव-तिथिपर तदीय श्रीचरणकमलोंमें दीन-हीन दासाधमकी क्षुद्रातिक्षुद्र पुष्पाञ्जलि	१०।२२३
१२.	परमाराध्यतम १०८.....केशव गोस्वामी महाराजकी परमपुनीत आविर्भाव तिथिके उपलक्ष्यमें दीनहीनकीभावपूर्ण पुष्पाञ्जलि	१०।२२१
१३	परमाराध्यतम ॐविष्णुपाद १०८.....केशव गोस्वामी महाराजकी परमपुनीत आविर्भाव तिथिपर दीनहीनकी पुष्पाञ्जलि	१०।२१९
१४.	पूज्यपाद त्रिदण्डिस्वामी श्रीश्रीमद्भक्तिवेदान्त मुनि महाराजका स्वधामगमन	१-२।२४
१५.	प्रचार-प्रसंग	१-२।३६, ४।८५, ६।१३५, ९।२०७
१६	प्रश्नोत्तर [योगव्रतादि १-२।९; भजनक्रिया ३।५१; अनर्थ-निवृत्ति ४।७३; निष्ठा-रुचि-आसक्ति एवं भाव ५।९८; भक्ति-अंग ६।१२०; नवधाभक्ति ७।१४३; आत्म-धर्म ९।१९२, शरणागति ११।२४०; नाम-कीर्तन १२।२६२]	
१७.	प्रेम-पुकार (कविता)	४।४६७
१८.	प्रेम धर्मका स्वरूप	११।२३७
१९.	भगवत् कृपा द्वारा ही प्रेमभक्ति लभ्य है (श्लोक)	३।९४
२०.	भगवन्नामके परम गायक महाभागवतवर नारदजी	५।१०८, ६।१२१
२१.	भगवन्नामोच्चारणसे अजामिलको भगवद्प्राप्ति	१५।२४८, १२।२७०
२२.	भगवत्सेवामय-दर्शन	७।१४०
२३	भगवानसे कृपा-प्रार्थना	४।७७
२४.	भक्तकी भगवानसे प्रार्थना (श्लोक)	६।११९

क्र० सं०	विषय	पं० सं०/पृष्ठ सं०
२५.	भक्तराज प्रह्लादकी भक्तिसाधना व उपदेश	१-२।१७
२६.	भक्तिरहित कर्मोंकी निरर्थकता	१-२।१६
२७.	मदीश्वर परमाराध्यतम ..... केशव गोस्वामी महाराजकी परमपुनीत आविर्भाव-तिथि पूजाके उपलक्ष्यमें दासाधमकी प्रसूनाञ्जलि	१०।२१८
२८.	मानव जातिका परम कर्तव्य	४।६८, ५।९२, ६।११७
२९.	मुरलीका सर्वचित्ताकर्षकत्व (कविता)	४।७२
३०.	रे मन ! गौरचरण चित्त दीजै (पद)	३।१५३
३१.	वासुगाँवमें श्रीविग्रह-प्रतिष्ठा	१-२।२९
३२.	विरह-संवाद	११।२५४
३३.	वैष्णवोंकी अलौकिकता	१२।२५९
३४.	श्रीकृष्णके नयनोंकी जादू (कविता)	११-२।३५
३५.	श्रीगुरुतत्त्व-विचार	१०।२११
३६.	श्रीगोविन्द-भजनकी महिमा (श्लोक)	१-२।८
३७.	श्रीचैतन्य महाप्रभुको स्वयं भगवत्ता-प्रतिपादक कतिपय शास्त्रीय प्रमाण	७।१५१, ८।१७७, ९।१९६, १०।२२५
३८.	श्रीचैतन्य महाप्रभुकी अमन्दोदया दया	८।१६४
३९.	श्रीचैतन्य-शिक्षामृत	४।७९, ५।१०२, ६।१२६, ८।१७४, १२।२७७
४०.	श्रीनवद्वीपधाम परिक्रमाका निमन्त्रण	९।२०८
४१.	श्रीनवद्वीपधाम-परिक्रमा और श्रीगौर-जन्मोत्सव	११।२५६
४२.	श्रीभागवत-पत्रिकाका १६वें वर्षमें पदार्पण	१-२।३७
४३.	श्रीभागवत-पत्रिकाके सम्बन्धमें विवरण	११।२४७
४४.	श्रीमद्भागवतके टीकाकार श्री सुदर्शन-सूरी ६।१२९, वीर राघवाचार्य	७।१४८
४५.	श्रीमद्भागवतीय श्रीकृष्णस्तोत्राणि—१-२।१, ३।४१, ४।६५, ५।८९, ६।११३, ७।१३०, ८।१६१, ९।१८५, १०।२०९, ११।२३३, १२।२५७]	
४६.	श्रीरूपानुगत्यकी क्यों आवश्यकता है ?	९।१८८
४७.	श्रील जीवगोस्वामी प्रभु	८।१६८
४८.	श्रील सच्चिदानन्द भक्तिविनोद ठाकुरका आविर्भाव-महोत्सव	५।१०७
४९.	श्रीश्रीराधाष्टमी व्रत-महोत्सव	४।८८
०५.	श्रीश्रीव्यासपूजा महामहोत्सव	१०।२२४
५१.	सप्तजिह्व श्रीकृष्ण संकीर्तनकी प्रयोजनीयता	३।४४
५२.	संदर्भ-सार [भक्ति-संदर्भ— १-२।१३, ३।५७, ६।१३१, ११।२४२, १२।२६५]	
५३.	साधुसंगसे दूर अवस्थित व्यक्तिका मंगलोपाय	१-२।६
५४.	स्वयं भगवान श्रीकृष्णकी जन्मलीला कहाँ हुई ?	४।८३
५५.	हमारी इष्टगोष्ठी	५।१००
५६.	हरि-भक्ति क्यों सुदुर्लभा है ?	३।१६

श्रीभागवत पत्रिकाके १७वें वर्षकी

विषय-सूची

क्र०सं	विषय	प०सं । पृ०स०
१.	अपनी बना लो (कविता)	१०-११ । २२५
२.	आधुनिकवाद	४ । ७७
३.	आनन्दकी अवधि (पद)	८ । १७१
४.	कुछ प्रश्न और उनके उत्तर	४ । ८६
५.	कृपाकी झलक (कविता)	६। १८६
६.	कृष्णभक्तकी प्रबल आशा (श्लोक)	१०-११ । २३६
७.	गोपियोंका सौभाग्य (पद)	२ । २७
८.	तोषणीकी कथा	५-६ । ६६
९.	धर्मका यथार्थ स्वरूप	१२ । २७१
१०.	धर्मेण हीना: पशुभि: समाना:	४ । ६५
११.	नवीन ब्रह्मवादकी परिणति	७ । १००
१२.	परमाराध्यतम पतितपावन श्रील आचार्यदेवकी तृतीय विरह-तिथिपर पुष्पांजलि	५-६ । १०३
१३.	परमाराध्यतम श्रीश्रीलगुरुपादपद्मका तृतीय वार्षिक विरहोत्सव	५-६ । १२५
१४.	परमाराध्यतम श्रीश्रीलगुरुपादपद्म ... ... की शुभाविर्भाव-तिथिपर दीन हीन दासाधमकी क्षुद्र पुष्पांजलि	६। २०७
१५.	परमाराध्य पतितपावन श्रीलगुरुजीके चरणोंमें पुष्पांजलि	१०-११ । २३४
१६.	परम प्रभुके चरणोंमें प्रार्थना (कविता)	७ । १४७
१७.	परम भागवत राजा अम्बरीष	१०-११ । २२६
१८.	प्रचार-प्रसंग	१।२३, २।४८, ४।६१, ५-६।१३३, ६ । २०५
१९.	प्रश्नोत्तर—[नामाभास १।७, नामापराध २ । ३३, जीवोंके प्रति दया ३ । ५८, नाम में रुचि एवं वैष्णव-सेवा ४। ८३, इष्टगोष्ठी ५-६ । १०२, प्रचार ७ । १४३, रस-कीर्त्तन ८।२६५, भक्ति-प्रातिकूल्य ६। १६६ एवं १०-११ । २१७, तथा अन्याभिलाष १२ । २६४	
२०.	भजनका शत्रु कौन है ?	३ । ६७
२१.	भजन क्यों नहीं होता ?	१ । १४
२२.	मठवास का तात्पर्य एवं उद्देश्य	१०-११। २४०

२३. मदनमोहनका अलौकिक रूप (पद) — १२ । २५२
२४. मनको चेतावनी (पद) — ८ । १६२
२५. महाभागवतवर वृत्रासुर — ५-६ ।१०८, ८ । १७२
२६. महाजनो येन गतः स पन्थाः — ७। १५५
२७. मुरलीका अलौकिक प्रभाव (पद) — ११६
२८. मुरलीकी अलौकिक तान (पद) — ९ १९५
२९. मेरे दुर्दैवकी बात — १०-११। २३५
३०. विरह-संवाद — ४। ६५, ४। ९०, ५-६। १२६
३१. वैष्णव — २ २८
३२. शुद्धा और विद्धा भक्ति — ३। ५०
३३. श्रीकृष्णनामकी सर्वसुलभता (श्लोक) — २। ३९
३४. श्रीकृष्णका असीम भक्तवात्सल्य (पद) — २। ४७
३५. श्रीकृष्णका वनसे प्रत्यागमन (पद) — १०-११। २१६
३६. श्रीगुरुपादपद्मकी अपार महिमा — ६।१८३
३७. श्रीगौरांग — ८। १६३
३८. श्रीचैतन्य महाप्रभुकी विचार-प्रणालीकी सर्वश्रेष्ठता — १। १०
३९. श्रीचैतन्य शिक्षामृत — १। १३, २। ४०, ३। ६६, ५-६। १२६
४०. श्रीनाम-संकीर्त्तन — १२। २५४
४१ श्रीनवद्वीप-धाम परिक्रमा और श्रीगौर-जन्मोत्सव — १०-११। २५४
४२. श्रीभागवत-पत्रिकाके सम्बन्धमें निवेदन — १०-११। २५०
४३. श्रीमद्भागवतके टीकाकार–[श्रीमन्मध्वाचार्य ५-६।१२०,
श्रीव्यासतत्त्वज्ञ या व्यासतीर्थ, लिघेरी श्रीनिवास एवं श्रीनिवास-तीर्थ ७। १५२]
४४. श्रीमन्महाप्रभुके अवतरणका रहस्य — १२। २६६
४५. श्रीमद्भागवतीय श्रीकृष्णस्तोत्राणि — १। १, २। २५, ३। ४६, ४।७३, ५-६।८७, ७।१३७,
८। १६१, ९। १८५, १०-११। २०९, १२। २५१
४६. श्रीमध्वाविर्भाव — १०-११। २११
४७ श्रीव्यासपूजाका तात्पर्य — ९। २०२
४८. श्रीव्यासपूजाका निमंत्रण — ८। १८३
४९. सन्दर्भ-सार [भक्ति-सन्दर्भ—२।४३, ३।६०, ५-६।१०४, ७।१४९, ८। १६८, १०-११।२१२
५०. सम्पादकीय — ५-६।१३५, ७।१६०

श्रीभागवत-पत्रिकाके १८वें वर्षकी

विषय-सूची

क्र०सं०	विषय	पं०सं०।पृ०सं०
१-	कुछ समस्याओंका समाधान	७।१४७
२-	कृष्णनामकी सर्वश्रेष्ठता	११।२६०
३-	कृष्णनागरसिक भक्तोंकी प्रार्थना	१२।२७३
४-	धर्मका यथार्थ स्वरूप	१। १९
५-	पतित-बन्धु भगवान् (पद)	११।२४४
६-	पत्रिकाका नव-वर्षमें पदार्पण	१। २२
७-	परमाराध्यतम श्रीश्रीलगुरुदेवकी शुभाविर्भाव-तिथिपर……दो पुष्प समर्पण	१। १८
८-	परमाराध्यतम श्रीश्रीगुरुदेवकी ……श्रीश्रीचरणकमलोंमें दीन-हीन सेवककी क्षुद्र पुष्पांजलि	२। ३८
९-	प्रचार-प्रसंग … … … ४।८९, ५।११५, ६।१३७,	१०।२३७
१०-	प्रश्नोत्तर— [मर्कट-वैराग्य १।१०, योषित्-संग २।३६, प्रतिष्ठाशा एवं कुटिनाटि ३।६०, जीव-हिंसा ४।८३, अपराध ५ ।१०६ वैष्णव-निन्दा ६।१३०, मनोधर्म एवं मायावाद ७ ।१५८ पौत्तलिकता एवं समन्वयवाद ८।१७६, सभ्यता एवं राजनीति ९।२०३, समाज-नीति १०।२२९, जीवका अधिकार एवं दुःसंग-वर्जन ११।२६१ तथा भक्त्यानुकूल्य	१२।२७४
११-	प्रायश्चित्त	१। १३
१२-	बिलँब छाँड़ि हरि भजि लीजै (पद)	३। ५३
१३-	भक्तिकी महिमा (श्लोक)	८।१८३

१४- भगवत्सेवासे भक्त-सेवाकी श्रेष्ठता ५।१००
१५- भजनका शत्रु कौन है ? २। १६
१६- वंदौ चरण-सरोज तिहारे (पद) ३। ७२
१७- वर्ष-समाप्ति पर दो-एक शब्द १२।२८५
१८- वास्तव वस्तुका ज्ञान १०।२२०
१९- विज्ञानका यथार्थ स्वरूप ८।१८८
२०- श्रीकृष्णचैतन्यदेवकी शिक्षा ६।१२३
२१- श्रीकृष्णनाम-संकीर्त्तनकी सर्वश्रेष्ठता २। २८
२२- श्रीनवद्वीप-परिक्रमा एवं श्रीगौर-जन्मोत्सव ११।२६४
२३- श्रीबलदेव प्रभुका तत्त्व ३। ५४
२४- श्रीमद्भागतीय श्रीकृष्णस्तोत्राणि— [जरासन्ध-वधानन्तरं श्रीयुधिष्ठिरस्य १। १
मुनीन्द्रगणकृतं २।२५, श्रीवसुदेवकृतं ३।४९, श्रीदेवकीदेवीकृतं ४। ७३
श्रीबलिराजकृतं ५।९७, श्रीबहुलाश्वकृतं ६।१२१, श्रीश्रुतदेवकृतं ७।१४५
श्रीश्रुतिगणकृतं ८।१६९, ९।१९३, १०।२१७, एवं ११।२४१, श्रीशुकदेव
गोस्वामीकृतं १२।२६५
२५- भगवत्संबन्धराहित्यकी विफलता (श्लोक) ७।१५७
२६- भगवानका भक्त-वात्सल्य (श्लोक) ७।१६२
२७- श्रीमन्महाप्रभुके आगमनका विशेष कारण ९।१९६
२८- श्रीश्रीचैतन्य-शिक्षामृत ४।९२, ५।११७, ६।१४५, ७।१६६, ८।१८४, ९।२०९, १२।२८३
२९- श्रीश्रीराधाष्टमीका माहात्म्य ४। ७५
३०- श्रीश्रीलप्रभुपाद एवं माननीय श्रीचेट्टियार ११।२४५
३१- सन्दर्भ-सार—[भक्तिसन्दर्भ ३।६९, ४।८५, ५।११०, ६।१३३, ७।१६३, ८।१७९
९।२०५, १०।२३३ एवं १२।२७८
३२- साधुसंग २। ४२
३३- स्वाधीनता १०।२३९
३४- हमारा यथार्थ प्रयोजन क्या है ? ८।१७२
३५- साधु-शिरोमणि रूप-सनातन (पद) १। २
३६- हरिनाममें रुचि कैसे हो ? १२।२६७
३७- हरिभक्तिका जीना ही सार्थक है (श्लोक) ५।११४
३८ हरिभक्तका महान् प्रताप (पद) ५। ९९
३९ हरिभक्तकी महिमा (श्लोक) ५।१०५

● समाप्त ●

श्रीभागवत-पत्रिकाके १९वें वर्षकी

विषय–सूची

क्र० सं०	विषय	पं० सं०/पृ० सं०
१	—अब तो दशा सुधारो (कविता)	९।२०८
२	—अप्राकृत वस्तु का ज्ञान	२। २८
३	—अमूल्य कण्ठध्वनि	२। ४३
४	—आत्माकी नित्यवृत्ति	१। ४
५	—कर्मवादका हेयत्व	११।२५२
६	—कृष्ण भक्ति ही शोकादि विनाशिनी है	४। ७७
७	—गौड़ीयका तात्पर्य	६।१३९
८	—जगद्गुरु श्रील प्रभुपाद एवं अप्राकृत वाणी	१२।२८३
९	—जीवोंका परम श्रेयः	१०।२३२
१०	—परमार्थकी आलोचना	१०।२२०
११	—परमार्थकी बात	८।१७३
१२	—परमार्थका विचार	११।२४४
१३	—परमाराध्यतम……की आविर्भाव तिथिपर पुष्पाञ्जलि	९।२०९
१४	—परमाराध्यतम……की आविर्भाव तिथिमें पुष्पाञ्जलि	९।२०९
१५	—परमाराध्यतम……की व्यास-पूजापर पुष्पांजलि	९।२१२
१६	—प्रश्नोत्तर— [भक्त्यानुकूल्य १।१४, पञ्चसंस्कार २।३५, ३।५८, दैव वर्णाश्रम ४। ८३ वैष्णव सदाचार ५।१०७, युक्त वैराग्य एवं दैन्य ६।१२७, सहिष्णुता, अमानित्व एवं मानदत्व ७।१५३, ऐकान्तिकी नामाश्रया भक्ति ८।१७७ रागात्मिका एवं रागानुगा भक्ति ९।२०४, श्रीचैतन्य शिक्षा १०।२२९ आशीर्वचन एवं जीवोंके प्रति वचन ११।२४९, विभिन्न बातें १२।२७८	
१७	—प्रचार प्रसङ्ग ४।९३, ६।१३६	
१८	—प्रतिष्ठाशा	८।१८०
१९	—पौराणिक उपाख्यान— [राजा यज्ञध्वज चरित्र २।४७, यज्ञमाली चरित्र ३। ६५ सुमति सत्यमति चरित्र ४।८९, हरिभक्तिकी महिमा एवं कणिक चरित्र ५।११५, भक्त पुण्डरीक ११।२५४	

२०—भागवत धर्म याजनकारीका विचार ५।१००
२१—भक्तिकी बात २।४०, २। ६१
२२—मठवासियोंके कुछ कर्त्तव्य ६।१२४
२३—वर्णाश्रम विधि ७।१६०
२४—वर्ष-प्रारम्भमें निवेदन १। २२
२५—वास्तव एवं अवास्तव वस्तुका ज्ञान १२।२६८
२६—वैष्णव ही एकमात्र जगद्गुरु हैं ३। ५१
२७—शास्त्रीय साधुसंग ८।१८६
२८—संस्कृत भाषाका श्रेष्ठत्व १०।२३५
२९—संदर्भ-सार—[भक्ति सन्दर्भ-२८—१।१६, भक्ति सन्दर्भ-२९—२।३७, भक्ति सन्दर्भ-३०—४। ८६
भक्ति सन्दर्भ-३१-३२—५।१०९, भक्ति सन्दर्भ-३३— ८ १८४
भक्ति सन्दर्भ-३४—११।२६०, भक्ति सन्दर्भ-३५— १२।२८६
३०—श्रीचैतन्य महाप्रभुके दानका वैशिष्ट्य ७।१४८
३१—श्रीचैतन्य महाप्रभुद्वारा प्रचारित धर्म ७।१६४
३२—श्री जन्माष्टमीपर दार्शनिक आलोचना ३।६९, ४।९५, ५।११८, ६।१४१, ८।१८३
३३—श्रीदेवगणकृतं श्रीभगवद् स्तोत्रम् ८।१५९
३४—श्रीब्रह्माकृतं श्रीगर्भोदशायी स्तोत्रम् ९।१९३, १०।२१७, ११।२४१
३५—श्रीब्रह्मादि ऋषिकृतं श्रीश्रीवराहदेव स्तोत्रम् १२।२६१
३६—ब्रह्माकृतं श्रीश्रीभगवन् महिमा स्तोत्रम् ४।७३, ५।९७. ६।१२१
३७—श्रीप्रभुपादजीका विरह ९।२१३
३८—श्रीभगवान्‌की लीला ६।१४८
३९—श्रीमद्भागवतीय श्रीकृष्णस्तोत्राणि— [श्रीकरभाजन योगीन्द्रकृतं श्रीकृष्णस्तोत्रम् १। १
श्रीब्रह्मादि देवानां श्रीकृष्ण-स्तोत्रम् २।२५, ३। ४९
४०—श्रीश्रीउद्धवकृतं श्रीकृष्ण-महिमा स्तोत्रम् ७।१४५
४१—श्रीश्रीएकादशी-व्रत ७।१५६
४२—श्रीव्यास-पूजा महोत्सव १०।२३९
४३—श्रीव्यास-पूजामें श्रीमद्भागवतकी पुनरावृत्ति ९।१९६
४४—श्रीव्यास-पूजाका निमन्त्रण ८।१९२
४५—श्रीहरिभक्ति-माहात्म्य ६।१३३
४६—हरिभक्तकी महिमा ४। ७६

श्रीभागवत पत्रिकाकी २० वें वर्षकी
विषय–सूची

विषय	संख्या–पृष्ठ
अपनी दो—एक बातें	५–१००
अभक्ति–मार्ग	१–६
अमोघकी कहानी	९–२१६
अरे भाई! भक्तिसे भोग और त्यागको दूर रखो?	९–२१८
All donations in favour of...	९–२२३
आकाशवाणीपर प्रचार	७–१६४
आचार्य केशरी श्रीलभक्तिप्रज्ञान केशव गोस्वामी	९–२२०
उत्तमा–भक्ति	१–२०
कलियुग और नाम–सङ्कीर्त्तन	२–४४
कस्त्वं खस्त्वं	२–४६
कृपा	४–८३
क्या करूँ?	३–६०
क्या श्रीतुलसीदासजी मायावादी संत थे?	७–१५७; ८–१९१
गुरु–सेवा	६–१२९
गुर्वाष्टक	३–४९
चातुर्मास्य	६–१३९
चित्रकेतुका मोह	१०–२३७
जीवके नित्य कल्याण प्राप्तिका उपाय क्या है?	५–१०६
जीव तत्त्व एवं रसाभास	७–१४९
ज्ञान	९–२०७
ज्यामिति शिक्षा	३–६४
तेलीका बैल	११–२६०
दरिद्रनारायणकी सेवा	३–७०, ४–९४
दिल्लीसे श्रद्धा सुमन	७–१७१
दो नशाखोर	९–२२४

विषय	संख्या–पृष्ठ
दोलनोत्सव	७–१६८
धर्म और विज्ञान	६–१२६, ८–१८२
नित्याभियुक्तानां योगक्षेमं वहाम्यहम्	५–१०४
पागलखाना	३–६९
पाठकोंसे निवेदन	१–१३, २–४७
पारसमणि–चिन्तामणि	१–५
पुरुषोत्तम–व्रत	४–८८
पूतना	११–२६२
पूतना–वध	३–६८
प्रचार प्रसङ्ग	३–७२, ५–१२०, ६–१४२, ८–१९८, १२–२९०
प्रतिबन्धक	६–१२३
प्रतिष्ठाकी आशा	५–१०२
प्रभुपादके उपदेश	११–२६५
प्रभुपाद–दशकम्	५–९७
प्रवृत्ति और निवृत्ति	११–२५४, १२–२०८ १२–२७८
प्रेम	११–५७
प्रेम–प्रदीप	१–१४, २–४१, ३–६३, ४–८५, ५–११७, ६–१३५, ८–१८९, ९–२१३, १०–२४२, ११–२६३, १२–२८६
बिनु हरि भजन न भव तरहि	८–१८६
भक्त कालीदास	२–३८
मंगलाचरण (वन्देहं श्रीगुरोः...)	१–१
मधु और मूर्ख मधुमक्खी	८–१८८
मनुष्य–समाज और वैष्णव–धर्म	१–१०
मायावादकी जीवनी	१–१६, २–२७, ३–५१, ४–७९, ५–१०७, ६–१३३, ८–१८४, ९–२११, १०–२३४, ११–२५८, १२–२८४

विषय	संख्या-पृष्ठ
मेढ़ककी अठन्नी	६-१४२
याज्ञवल्क्य-मैत्रेयी-संवाद	६-१३८
रात्रिमें सूर्य दर्शन	१०-२४५
लकड़हारेकी बुद्धि	१२-२८२
विकासवादोऽथ विनाशवादः	६-१४४
विदेश प्रचार प्रसङ्ग	६-१४२, ७-१४७
विदेश यात्रासे पूर्व अभिनन्दन	४-७५, १२-२९२
विशुद्ध साम्प्रदायिकता ही आर्य-धर्मका गौरव है	२-३६
पूज्यपाद वामन गोस्वामी महाराजजी द्वारा विदेशोंमें प्रचारके लिए शुभकामनाएँ	५-९९
व्याकरणका पण्डित	५-११३
वैष्णव-दर्शन	९-२०३, १०-२२७, ११-२५१, १२-२७५
वैष्णव-वंश	८-१७९
वैष्णव व्रत तालिका	११-२६९, १२-२९४
श्रीकृष्णनामाष्टकम्	१२-२७३
श्रीगौड़ीय-कण्ठहार	४-८१
श्रीचरणामृत	५-१११
श्रीनित्यानन्दाष्टकम्	१०-२२५
श्रीपुरुषोत्तम मासके कृत्य	४-९१
श्रीब्रह्म-माध्व-गौड़ीय सम्प्रदायकी भागवत परम्परा	१-१८
श्रीब्रह्म-माध्व गौड़ीय सम्प्रदायस्य प्रसिद्ध सन्त प्रवराणां	७-१७२
श्रीभक्ति मार्ग	२-३२, ३-५४
श्रीभागवत-पत्रिकाके सम्बन्धमें वक्तव्य	१-३
श्रीभागवत-पत्रिका मासिक-पत्रके सम्बन्धमें	२-४८
श्रील नरोत्तम ठाकुर	११-२७०
श्रील रूप गोस्वामीजीकी तिरोभाव तिथि	८-१९७
श्रील सभापति एवं आचार्यदेवकी आविर्भाव-तिथि-पूजा	१२-२८८
श्रीलश्रीधर गोस्वामी	११-२६८
श्रीव्रजमण्डल परिक्रमा	११-२६६
श्रीशचीतनयाष्टकम्	११-२४९
श्रीश्रीकेशवाचार्यष्टकम्	४-७३
श्रीश्रीजगन्नाथाष्टकम्	२-२५
श्रीगुरुचरण पद्म	१-१९
श्रीश्रीमद्गौरकिशोरनमस्कारदशकम्	६-१२१
श्रीश्रीमद्भक्तिप्रज्ञान केशव गोस्वामी महाराजजीकाका विरहोत्सव	१०-२४६
श्रीश्रीमद्भक्तिविनोददशकम्	७-१४५
श्रीश्रीमद्भक्तिवेदान्त वामन महाराजजीको पत्र	७-१७५
श्रीश्रीलजगन्नाथष्टकम्	८-१७७
श्रीश्रीषड्गोस्वाम्यष्टकम्	९-२०१
सच हरि भजन बिनु जगत सब सपना	१०-२३९
सत्यकी खोज	४-९६
सत्संगकी विधि	१०-२३१
समय नहीं है!!	३-६६
समसामयिक विवरण	२-४८
साधु-संग	३-५७, ४-७८
सोचें, समझें और करें	५-११५
स्वदेश आगमन पर अभिनन्दन	७-१७०,१७४

मुद्रक : अनुभा प्रिन्टर्स, मथुरा ✆ 403257

श्रीभागवत पत्रिकाके ४१ वें वर्षकी
विषय सूची

विषय	संख्या–पृष्ठ
ॐ विष्णुपाद श्रीश्रीमद्भक्तिप्रज्ञान केशव गोस्वामी महाराजकी उपदेशावली	१२—६७
ॐ विष्णुपाद श्रीश्रीमद्भक्तिप्रज्ञान केशव गोस्वामी महाराजका संक्षिप्त जीवनचरित्र	१२—११
ॐ विष्णुपाद श्रीश्रीमद्भक्तिप्रज्ञान केशव गोस्वामी महाराजजीकी आविर्भाव-शतवार्षिकीके उपलक्ष्यमें उनकी महिमाका किञ्चित् संस्मरण	१२—४२
ॐ विष्णुपाद श्रीश्रीमद्भक्तिप्रज्ञान केशव गोस्वामी द्वारा रचित अष्टकम्, पद्य एवं कीर्तन	१२—६२
ॐ विष्णुपाद श्रीश्रीभक्तिप्रज्ञान केशव गोस्वामी महाराज द्वारा प्रदत्त त्रिदण्ड-संन्यास और बाबाजी-वेष	१२—६६
ॐ विष्णुपाद श्रीश्रीमद्भक्तिप्रज्ञान केशव गोस्वामी महाराज द्वारा संकलित, प्रकाशित, रचित और संपादित शुद्धभक्ति-ग्रन्थावली	१२—६७
आचार्यदेवकी अविर्भाव तिथि-पूजा	११—२६४
(आलवर या दिव्यसूरी)	१—४
गोदादेवी	१—५
विष्णुचित	२—२७
भक्ताङ्घ्रिरेणु	३—५१
कुलशेखर	४—७५
शठकोपसूरि	५—९९
नाथमुनि	६—१२३
अन्नप्राशन संस्कार	६—१४२
अत्याहार	७—१५१
आन्तरिक अभिनन्दन	१—१७
आन्तरिक विनम्र अभिनन्दन	१—२०
Cordial Reciption	१—१९
क्या धर्म परिवर्तन सम्भव है	४—९२
कोस्टारिकामें श्रील महाराजजीके साथ पत्रकारका वार्तालाप	५—११०
कलियुगमें श्रीकृष्ण नाम जप साधना	१०—२२५, ११—२५४
ग्रन्थ प्रशस्ति अभिमत एवं समीक्षा	११—२६२
गीताका संसार	३—५९
गीता और श्रीमद्भागवतकी तुलनामूलक आलोचना	६—१३७
गोवर्द्धन पूजा	८—१८२
गौड़ीय-वेदान्ताचार्य श्रीबलदेव	१२—६
गुरुतत्त्व	१०—२३३
चलती ट्रेनका यात्री	८—१८१
चार आनेका भाव	११—२५२
चतुर्थ विदेश प्रचार यात्रा १९९८ का कार्यक्रम	१०—२४०
चतुर्थ विदेश प्रचार यात्राकी पूर्व बेलापर श्रीश्रीमद्भक्ति वेदान्त नारायण गोस्वामी महाराजका अभिनन्दन	११—२५७
जयतीर्थ	८—१७२
जनसंग	११—२४४
ट्रेनका यात्री	१०—२३९
श्रीतुलसी आरति एवं परिक्रमा	१२—६५
तृतीय विदेश प्रचार यात्रा कार्यक्रम	२—३५
तोऊ श्याम हमारो	२—३६
दिला दे राम	५—१०८
नियमाग्रह	१०—२२०
परमपूज्यपाद त्रिदण्डिस्वामी श्रीश्रीमद्भक्तिप्रज्ञान केशव गोस्वामी महाराजजीकी अप्रकटलीलाका स्मरण	१२—२६
परमाराध्यतम शिक्षागुरु एवं ज्येष्ठ गुरुभ्राता श्रीश्रीमद्भक्तिप्रज्ञान केशव गोस्वामी	

विषय	संख्या-पृष्ठ
महाराजकी शतवार्षिकीके उपलक्ष्यमें सेवकाधमकी आर्त्तिपुष्पाञ्जलि।	१२—३१
परमाराध्य परमकरुणामय श्रीगुरुपादपद्मका अतिमर्त्य चरित्र	१२—६०
प्रवृति और निवृत्ति १—७, २—२९,	३—५४, ४—७७, ५—१०१, ६—१२६
पहले अपना लंगर उठाओ	२—४०
प्रह्लादजीके उपदेश	३—६९
प्रह्लाद महाराजको भगवानके प्रति अचला भक्ति कैसे हुई	११—२६०
प्रयास	८—१७३
पाश्चात्य देशोंमें शुद्धा भक्तिका प्रचार	८—१८७, ९—२०४
प्रजल्प	९—१९८
प्रेम-प्रदीप १—१२, २—३२, ३—६५,	४—८२, ५—१०६, ६—१३१, ७—१५५, ८—१७९
पुत्रवती जुवती जग सोई	६—१३३
ब्रह्म-माध्व-गौड़ीय गुरुपरम्परा	१२—५
बिनु सत्ससंग विवेक न होई	७—१६३
भजिय राम सब काज बिसारी	३—६०
भक्तिसिद्धान्त	९—१९५
महाराज चित्रकेतु	१०—२३२
मंगलारति	१२—६४
मंगलाचरण	१२—१
मायाजालसे मुक्ति	२—४३
माँझीका स्वप्न	१—१५
मायावादकी जीवनी १—१०,	२—३४, ३—५७, ४—८०, ५—१०४, ६—१३०, ७—१५३, ८—१७७, ९—२०३, १०—२२८, ११—२४८
विदेश प्रचार प्रसंग १—१६,	३—७२, १२—६८
विदेशोंमें श्रील महाराजजी (चित्र)	१—२२
प्रचार प्रसंग (श्रावण)	७—१६६
(कार्तिक)	९—२१४
वैष्णवोंका विषय	१०—२१९
व्रज परिक्रमण	१०—२३०
श्रीकेशवाचार्यष्टकम्	१—१
श्रीश्रीकेशवाचार्याष्टकम्	१२—४
श्रीभागवतपत्रिका मासिकपत्रके सम्बन्धमें	१—१४, ९—२१६
श्रीनवद्वीप धाम परिक्रमा	१—२४
श्रीगौरांगस्तोत्ररत्नम्	२—२५
श्रीनन्दनन्दाष्टकम्	११—२४१
श्रीमद्भागवत कथा	२—४१
श्रीश्रीमद्भक्तिकुमुद संत महाराजका पत्र	११—२६३
श्रीमूर्ति और मायावाद	११—२४३
श्रीश्रीजगन्नाथ-स्तोत्रम्	३—४९
शुद्धभक्तका प्रार्थनीय विषय	३—६७
श्रीजगन्नाथाष्टकम्	४—७३
श्रीजगन्नाथ एवं रथयात्रा	४—८५
श्रीबलराम-स्तोत्रम्	५—९७
श्रीराधिकाष्टकम्	६—१२१
श्रीश्रीराधा-विनोदविहारि-तत्त्वाष्टकम्	१२—६२
श्रील प्रभुपादकी आरति	१२—६३
श्रील गुरुपादपद्मका अतिमर्त्यत्व एवं सुदृढ गुरुनिष्ठा	१२—३५
श्रीकृष्णजयन्तीके उपलक्ष्यमें	६—१३९
श्रीदामोदराष्टकम्	७—१४५
श्रीविश्वनाथ चक्रवर्ती ठाकुर	७—१४७
श्रीमध्वमुनि चरित्र	७—१५७
श्रीगोवर्द्धनवासप्रार्थना दशकम्	८—१६९
श्रीयमुनाष्टकम्	९—१९३
श्रीचौराग्रगण्यपुरुषाष्टकम्	१०—२१७
श्रीव्यास-नारद संवाद	१०—२३६
साधु कौन है?	२—४६
सुख	९—२०८
स्वसम्प्रदायकी रक्षा	१२—४८

विषय *संख्या–पृष्ठ*
अच्छा तो कर नहीं सकता १–११
उत्साह २–३१
कलियुगमें श्रीकृष्णनाम साधना १–१२, २–४०, ३–६६, ४–८६, ६–१३२, ७–१६२, ८–१८२
प्रतिकूल मतवाद २–२७
श्रीनवद्वीपष्टकम् १–१
बद्ध, तटस्थ और मुक्त १–३
लौल्य १–५
व्यासपूजा १–९
विदेश प्रचार प्रसंग १–२१, ४–९२, ५–११०
हार्दिक अभिनन्दन १–२३
वैष्णव व्रत तालिका १–२४, २–४८, ३–७०, ४–९६, ५–१२०, ७–१६८, ९–२०३
श्रीनवद्वीपधाम परिक्रमा और गौर जन्मोत्सव १–१७
श्रीदशावतार स्तोत्रम् २–२५
श्रीगौड़ीय वैष्णव सम्प्रदाय एवं संन्यास २–३४, ३–५९, ४–८१,
गीताकी वाणी २–४४, ४–८९, ६–१४०, ७–१५४ ९–२०९, १०–२२७, ११–२५१, १२–२७७
Summer Tour २–४८
श्रीसुभद्रा स्तोत्रम् ३–४९
पाञ्चरात्रिक अधिकार ३–५१
निश्चय ३–५६, ४–७८
श्रीहरिनाम ३–७१
ग्रन्थ समीक्षा ३–७२
चातुर्मास्य व्रत ३–७३
गुरुदास ३–७४
श्रीश्रीजगमोहनाष्टकम् ५–९७
श्रीगुरुका स्वरूप ५–९९
धैर्य ५–१०५
लालु और कालु ५–११९
श्रीमदनगोपालाष्टकम् ६–१२१
जगद्गुरु श्रील भक्तिविनोद ठाकुरजीका आविर्भाव तिथि ६–१२३
तत्कर्म प्रवर्तन ६–१२७
अम्बरीष और दुर्वाषा ६–१३५
प्रचार प्रसंग ६–१४२
वैष्णव व्रत ६–१४४
श्रीशिक्षाष्टकम् ७–१४५
गुरुतत्त्वके सम्बन्धमें प्रश्न ७–१४७
तत्तत्कर्म प्रवर्तन ७–१५०
भीष्म युधिष्ठिर संवाद ७–१५८
श्रीहरिनाम चिन्तामणि ७–१६६
श्रीव्रजमण्डल परिक्रमा ७–१६७
निषिद्धाचार ८–१७१
श्रीकार्तिक व्रत महात्म्यम् ८–१६९
संगत्याग ८–१७३, ९–१९९
शक्तिपूजा (दुर्गापूजाका) महत्त्व ८–१७७
मनुष्यका कर्तव्य ८–१८५
प्रचार प्रसंग ८–१८७
वैष्णव व्रत तालिका ८–१९२
श्रीश्रीरामलीलासार ९–१९३
कर्मवीरकी फूटी कौड़ीया ९–१९६
पाञ्चरात्रिक गुरुपरम्परा और भागवत परम्परा ९–२०४
श्रीव्रजमण्डल परिक्रमा९८ ९–२१५
Winter Tour 1998-99 ९–२१९
श्रीचैतन्याष्टकम् १०–२१७
हरिनाम महामन्त्र १०–२१९
साधु–वृत्ति १०–२२२
ऋत्विक और श्रीगुरुतत्त्व १०–२३०
श्रीभक्तिवेदान्त वामन गो. महाराजका आविर्भाव दिवस १०–२३६
दुध ओर चूनाका घोल १०–२३८
वैष्णव व्रत तालिका १०–२४०
श्रीकुञ्जविहार्य्यष्टकम् ११–२४१
सगुण उपासना ११–२४३

साधु वृत्ति ११-२४५
कलियुगमें श्रीकृष्ण नाम जप साधना ११-२४८
नमक हराम और नमक हलाल ११-२५५
तत्त्व परिचय ११-२५७
त्रियुगधर्म और कृष्णनामका कीर्तन ११-२५८
श्रीरघुनाथ दास गोस्वामी ११-२६०
प्रचार प्रसंग ११-२६२
श्रीशचीसून्वष्टकम् १२-२६३
पिता, आचार्य और गुरु साधुवृत्ति १२-२६७
साधुवृत्ति १२-२६९
कलियुगमें श्रीकृष्ण १२-२७२
पूर्व दिशा सूर्यकी जननी नहीं है १२-२८०
क्षमा करें मैं नास्तिक हूँ १२-२८१
त्रियुग-धर्म और कृष्ण-नाम कीर्तन १२-२८६
वैष्णव व्रत तालिका १२-२८८

श्रीभागवत पत्रिकाके ४३ वें वर्षकी
विषय सूची

विषय	संख्या – पृष्ठ
अभूतपूर्व स्वागत एवं प्रवचन—	२-४०
अन्धगज न्याय—	३-६६
असत्संगके दोष—	७-१६४
अभिधेय विचार—कर्म—	९-१९६
अभिधेय विचार—भक्ति—	११-२४६
अभिधेय विचार—ज्ञान—	१०-२२२
आकाशमें मुक्का मारना—	४-८३
कलियगमें कृष्णनाम जप साधाना— (१२वीं धारा)—१-१७, १३वीं धारा—२-३२, १४वीं धारा—३-६१, १५वीं धारा—४-९१, १६वीं धारा—५-१११, १७वीं धारा—६-१३५, १८वीं धारा—७-१५९, १९वीं धारा—८-१८७, २०वीं धारा—९-२०६, २१वीं धारा—१०-२३४, २२वीं धारा—११-२५७, २३वीं धारा—१२-२८१	
कृष्ण दास्य कैसे प्राप्त हो—	५-१०२
कोहिनी द्वारा गुड़ खाना—	६-१३३
कौआ और कोयल—	१-११
कुछ प्रश्न—	७-१५७
कर्मकाण्ड, ज्ञानकाण्ड और भक्तिकाण्डके सम्बन्धमें प्रश्नोत्तर—	८-१८१
कुकर्मोंकी कानी कौड़ी—	८-१९१
गीताकी वाणी—	१-९
गोवर्धनाष्टक—	३-४९
ग्रन्थ-समीक्षा—	६-१३८
ग्रन्थ-चक्रवर्ती—श्रीमद्भागवत—	१२-२७२
गोबर और दूधका न्याय—	२-३६
गोवर्द्धनाष्टकम्—	८-१७०
गुरुके ऊपर गुरुगिरी—	९-२१३
ग्रन्थ-चक्रवर्ती—श्रीमद्भागवत—	११-२५०
गिलहरीका सेतुबन्धन—	११-२६२
चातुर्मास्य व्रत—	५-११६
चार्वाक मतका जन्म—रहस्य—	९-१९९
चौरासी कोस ब्रज-मण्डलकी परिक्रमा और ऊर्जाव्रत—	७-१६६
जीवोंके प्रति दयाका रहस्य—	२-३०
जन्माष्टमी—	६-१४४
तत्त्व-परिचय	१२-२७६
त्रिदण्डी स्वामी भक्तिवेदान्त नारायण महाराजजीका पुलिस लाइनमें अभूतपूर्व स्वागत एवं प्रवचन—	२-४०
दशमूल निर्यास—	१-४
धर्मघट—	८-१७९
नदी सूखनेपर पार होऊँगा—	१२-२८३
प्रचार प्रसंग—	२-४४, ४-९५, ६-१४२, ५-११८
फिलीपिन्सकी राजधानी मनिलासे फेक्स—	१०-२३७
बुद्धिकी त्रासदी—	६-१३९
बगुला पकड़ना—	७-१६५
भगवद्भजन ही मनुष्य जीवनका कर्तव्य है—	२-४१
मर्कट वैरागी—	१२-२६८
मुनियोंका मतिभ्रम—	१-१२, २-३७, ३-५६, ४-८४
मुंडेररहित छतसे पतंग उड़ाना—	५-१०३
मनुष्यके कुकर्म भगवानकी लीलाएँ नहीं हैं—	१०-२२४, ११-२५४
विशुद्ध-भजन—	६-१२५
वैष्णव अपराध कितना भयंकर होता है—	९-२१०
विरह संवाद—	९-२१५
शिक्षाष्टक—	४-७७

विषय	संख्या – पृष्ठ
शरणागति—	७-१६८, ८-१७२, ११-२६३
संत (सज्जन) के लक्षण—	
कृपालु—	२-२८, कृत-द्रोह—३-५१,
सत्यसार—४-७५, सम—५-१००,	
निर्दोष—६-१२४, वदान्य—७-१४७,	
मृदु—८-१७१, अकिञ्चन—९-१९५,	
सर्वोपकारक—१०-२१९,	
शान्त—११-२४४,	
कृष्णैकशरण—१२-२६७	
सम्बन्ध विचार—	७-१४९
साधन—	३-५२
सदाचार—	८-१७६, ९-२०३, १०-२२९
श्रीव्यासपूजा महोत्सव—	१२-२८४
श्रीरामचन्द्रस्तोत्रम्—	१-१
श्रीश्रीनृसिंहदेवस्य लीला सारः—	२-२५
श्रीरामानुजाचार्यके उपदेश—	१-२२
श्रीश्रीमद्भक्तिवेदान्त हरिजन महाराजजीका नित्यलीलामें प्रवेश—	३-७२
श्रीश्रीचैतन्याष्टकम्—	४-७३
श्रीनाम और नाम भजनकी प्रणाली—	४-८६
श्रीस्वप्नविलासामृताष्टकम्—	५-९७
श्रीनाम और श्रीनामभजनकी प्रणाली—	५-१०४
श्रीजगन्नाथदेवका प्राकट्य—	५-१०८
श्रीराधाष्टमी व्रतम्—	६-१२१
श्रीकृष्णचैतन्य महाप्रभुजीका संकीर्त्तन आन्दोलन—	६-१३१,७-१५४
(श्रीकृष्ण)-प्रणाम-प्रणयाख्या-स्तवः—	७-१४५
वैष्णव स्मृति—	१-३
श्रीराधाष्टमी पर ब्रजमण्डलमें श्रद्धालुओंकी गहमागहमी—	७-१६५
श्रीचैतन्यदेवकी अनुपम वाणी—	८-१७३
श्रीस्वयम्भगवत्ताष्टकम्—	९-१९३
श्रीश्रीदयितदासदशकम्—	१०-२१७
श्रीमनःशिक्षा—	११-२४१
श्रीनवद्वीपाष्टकम्	१२-२६५

श्रीभागवत पत्रिकाके ४४ वें वर्षकी विषय सूची

विषय	संख्या – पृष्ठ
अंडे क्यों नहीं खायें	—५/११४
अनुराग-वल्ली	—३/४९
अब पछताए होत कहा	—९/२०९
आधुनिकवाद	—४/७५
उपदेशामृतकी पीयूषवर्षिणी वृत्ति	—११/२४३
ऊधो! इतनी कहियो जाइ	—१०/२२४
कलियुगमें श्रीकृष्ण नाम जप साधना	—१/१६, २/४१, ३/६६, ४/८४
काजीसे हिन्दू पर्व पूछना	—१२/२८०
कृष्णस्तुति, श्री	—२/२५
कृष्णे मतिरस्तु	—१२/२६८
कृष्णस्तोत्रम्, श्री	—५/९७
कृष्णजन्माष्टमी, श्रीश्री	—५/१२०
गयाक्षेत्र	—१०/२३४
गुरुभक्ति, श्री	—५/९९
गोकुलानन्द-गोविन्द-देवाष्टकम्, श्रीश्री	—७/१४५
गोवर्द्धनाश्रयदशकम्, श्री	—८/१६९
गौराङ्ग-सुधा, श्री	—१/१८, २/३८, ३/७१, ४/८९, ५/१०२, ६/१३९, ७/१५५, ८/१७८, ९/२००, १०/२२९, ११/२५६, १२/२७५,
चैतन्यदेव और हरिनाम, श्री	—३/५८, ४/८१
चैतन्याष्टकम्, श्रीश्री	—१०/२१७
तुलसी देवी, श्री	—३/६१
दो नावोंमें पाँव	—२/४०
नामाश्रयका फल	—१०/२१९
नृसिंह-स्तवः, श्री	—१/१
पत्रोत्तर	—१/२३
पानीमें उतरे बिना तैरना सीखनेकी इच्छा	—१/१२
पूर्वी विश्वमें प्रचार	—१/२०

विषय	संख्या – पृष्ठ
पौराणिक उपाख्यान	—१२/२८१,
प्रचार प्रसङ्ग	—२/४५, ४/९२, ५/११८, ७/१६५, ८/१८८, ९/२१५, १०/२४०, ११/२६१,
प्रश्नोत्तर	—९/२१२,
प्रीति	—१/७
प्रेमाम्भोज-मरन्दाख्य-स्तवराजः, श्री	—९/१९३
भक्तिकुसुम सन्त महाराजजी द्वारा प्रेषित पत्र, श्री	—१/२४
भागवतं प्रमाणममलम्, श्री	—११/२५३ १२/२७०
मकड़ा मारनेसे धोकड़ मिलता है	—१०/२३९
महाभागवतवर वृत्रासुर	—५/१०८,६/१३३, ७/१६३, ८/१८३, ९/२०५
मात्सर्य	—३/५१
मूर्ख माली और मूर्ख पण्डित	—५/११६
राधाकृष्ण-विज्ञप्ति	—१०/२३८
रामानुजाचार्य, श्री	—२/२९
वृन्दादेव्यष्टकम्, श्रीश्री	—१२/२६५
वैराग्य	—६/१२३, ७/१४७
वैष्णव मर्यादा	—११/२४९
व्यास पूजा	—११/२६०
शिव तत्त्व	६/१३०, ७/१६०, ८/१७५
शचीनन्दन-विजयाष्टकम्, श्रीश्री	—११/२४२
शरणागति	—३/५३, ६/१३०, ७/१६०, ८/१७५
संकर्षण-स्तोत्रम्, श्रीश्री	—६/१२१
संतके लक्षण	—१/४,२/२७, ३/५३, ४/८०, ५/१०१, ६/१२९, ७/१५३, ८/१७४, ९/१९९,
सच्चे महाजन कौन हैं	—१०/२२१
सद्गुण और भक्ति	—१२/२६७
सनातन धर्म	—३/५४
सम्राट् कुलशेलखरकी प्रार्थाना	—२/३५, १/१३
हरिकुसुम-स्तवकम्, श्री	—४/७३
हरिनाम	—८/१७२, ९/१९५
हाथमें पञ्जिका और मंगलवार	—८/१८७
हिन्दु शब्द कैसे बना है	—२/२८

श्रीभागवत पत्रिकाके ४५ वें वर्षकी
विषय सूची

विषय	संख्या/पृष्ठ
अर्थ-पञ्चक	—१/५
अवधूत गीता	—१/१४, २/३९
अक्षय तृतीयाके उपलक्ष्यमें	—३/६४
अपनी बुद्धिमत्ता पर अहङ्कार मत करो	—८/१७८
असत्सङ्ग	—९/१९५
आचार और प्रचार	—३/५२
ईश-विमुखताका परिणाम और उसे दूर करनेका उपाय	—११/२४८
उड़त गुलाल, लाल भये बदरा	—२/४२
उडुपीमें श्रीचैतन्य महाप्रभु	—१२/२७१
उपनिषद्-उपाख्यान	—४/८९
ऐकान्तिक और व्यभिचारी	—७/१४९
कीर्त्तनका अधिकारी कौन है	—१/४
कलि	—५/१००, ६/१२३
कुछ सोचने-समझनेकी बातें	—१२/२६९
कृष्णकी गौ सेवा, श्री	—११/२५३
कृष्णचन्द्राष्टकम्, श्री	—१०/२१७
कृष्णस्तोत्रम्, श्री	—११/२४१, १२/२६५
गिरिधारी गौड़ीय मठ, श्री	—२/४७
गुरु-तत्त्व, श्री	—१२/२७४
गौरतत्त्व, श्री	—६/१३२, ७/१५७
गौराङ्ग-सुधा, श्री	—१/८, २/३४, ३/५६, ४/८०, ५/१०९, ६/१३५, ७/१५९, ८/१८५, ९/२०७, १०/२२७, ११/२५७, १२/२७८
चैतन्यदेव, श्री	—९/१९८, १०/२२२
दुर्नीति, सुनीति और भक्तिनीति	—४/९१
नवनीतप्रियाष्टकम्, श्री	—६/१२१
नवयुवद्वन्द्व-दिदृक्षाष्टकम्, श्रीश्री	—४/७३
परहिंसा और दया	—८/१७१
पुरुषोत्तम धाममें श्रीपुरुषोत्तम व्रत, श्री	—७/१६६
पुरुषोत्तम मास	—४/८५
पुरुषोत्तम मासके कृत्य, श्री	—५/१०६
प्रचार कर मथुरा प्रत्यागमनके उपलक्ष्यमें	—६/१४०
प्रयोजन विचार	—४/७५
प्रश्नोत्तर	—१०/२१९, ११/२४३
ब्रह्मकुण्ड (श्रीगोवर्द्धन), श्री	—७/१६७
भक्तिवेदान्त त्रिविक्रम महाराजजीके प्रश्न, श्री	—११/२५०
भगवान्‌की अप्रकट लीलाका रहस्य	—२/३१, ३/५३, ४/७७, ५/१०३, ६/१२६
मनभावन द्वन्द्व	—३/६०
मानव सर्वश्रेष्ठ क्यों है	—८/१७३
मुकुन्दमुक्तावली, श्री	—१/१, २/२५, ३/४९
रघुनाथदास गोस्वामी, श्री	—२/२८
राधाकुण्डाष्टकम्, श्री	—९/१९३
राधिकाष्टकम्, श्री	—७/१४५
लघु-भागवतामृत, श्री	—७/१४७
वदन्ति तत्तत्त्वविदः	—८/१८१
वास्तव दीक्षा	—९/२०२
वास्तविक भारतवासी कौन है	—१०/२३२
विविध संवाद	—१/२२, ३/६६, ६/१४१, ७/१६४, ८/१८९, ९/२११, १०/२३६, ११/२६१, १२/२८१
विदेश प्रचार संवाद	—४/९४, ५/११३
विषय-सूची	—१२/२८८
वृन्दावनाष्टकम्, श्री	—८/१७०
व्रजमण्डल परिक्रमा २००१, श्री	—८/१९१
श्रद्धा	—१२/२६७
श्रीमद्भक्तिकुमुद सन्त महाराजजीका पत्र	—१/२४
श्रीमद्भागवतसे अधिक महत्त्वपूर्ण	—६/१२८
श्रीमद्भागवतका प्रतिपाद्य विषय	—७/१५१
स्वनियम-दशकम्, श्री	—५/९७

श्रीभागवत पत्रिकाके ४६ वें वर्षकी
विषय सूची

विषय	संख्या/पृष्ठ
एकादशी माहात्म्य	८/१८३
कुछ प्रश्न और श्रीप्रभुपाद द्वारा उनका उत्तर	२/३०, ३/५४
कृष्णतत्त्व	११/२५०
गीताका सार	६/१३२
गुरु–तत्त्व	१०/२२७
गुरुपदाश्रय	१/६, २/३९
गुरुको कोई भी धोखा नहीं दे सकता	१/१३
गौराङ्ग–सुधा	१/१७, २/३९, ३/६२, ४/८७, ५/१०८, ६/१३७, ७/१६२, ८/१७९, ९/२०७, १०/२२९, ११/२५३, १२/२८०
गौराङ्गलीला–स्मरण–मङ्गल–स्तोत्रम्	१/१, २/२५, ३/४९, ४/७३, ५/९७, ६/१२१, ७/१४५, ८/१६९, ९/१९३, १०/२१७, ११/२४१, १२/२६५
जगन्नाथकी रथयात्रा और नामभजन	३/५७, ४/८२, ६/१३०
जगन्नाथजीका प्राकट्य	५/१०४
झूलन–गीत	६/१२९
तिलक धारण कैसे करें	४/८१
नन्दके लालाको बधाई (गीत)	६/१२९
परमानन्द पुरीका कूप	६/१४०
पानीमें उतरे बिना तैरना सीखनेकी इच्छा	७/१६५
प्रभुपादजीका उपदेशामृत	४/७८, ५/१०१, ६/१२६, ७/१५२, ८/१७५, ९/१९८, १०/२२३, ११/२४७, १२/२७१
प्रश्नोत्तर	६/१२३, ७/१४७, ८/१७२
बिल्वमङ्गल	५/११२
ब्रजमण्डल परिक्रमा	६/१४३
भक्तिवेदान्त नारायण महाराजजीकी हरिकथा	३/६६
महामन्त्र युगपत् जप्य और उच्च स्वरसे संकीर्तनीय है	९/२०२
महान्त गुरुतत्त्व	१२/२७४
माधुर्य भक्तिके प्रदाता	२/३४
मायावादी कौन है?	४/७५
माला और तिलकधारणकी नित्यता	५/९९
युगलकिशोर ध्यानम्	८/१९२
लौल्यमपि मूल्यमेकलं	६/१४१, ७/१५६
विदेश प्रचार संवाद	५/११५, ८/१८८
विविध संवाद	१/२०, २/४४ ३/६८, ४/९१, ७/१६६ ८/१८५, ९/२११, १०/२३३, ११/२५८, १२/२२८
विरह–संवाद	५/१२०, ९/२११
वेदानुगश्रुव और वेदविरुद्ध अपसम्प्रदाय	९/१९५, १०/२२०, ११/२४३, १२/२६७
वैष्णवधर्मकी क्षीणता क्यों है?	२/३७
व्यासपूजाके अवसर पर वैष्णवोंका गुणगान	१/७, २/३२, ३/६०
श्रेष्ठधर्ममें निरामिष आहार बाध्यतामूलक है	४/८५
सद्गुरुके निकट एक जिज्ञासु	१२/२७६
साधु एक पारसमणि है?	१२/२८४
साधुसङ्गमें स्वरूप उपलब्धि एवं पराभक्ति	१/११
सिद्धान्तरत्न या वेदान्त–पीठक	१/३, २/२७, ३/५१

श्रीभागवत पत्रिकाके ४७वें वर्षकी विषय–सूची

विषय	संख्या–पृष्ठ
आशीर्वाद–पत्र	१२/२८४
उदारता और संकीर्णता	८/१७९
उलट जले मछली चले	११/२५८
ओ हंस! इतना कहना जरा	३/६६, ४/८८
कुञ्जविहारी द्वितीयाष्टकम्	९/१९३
कृष्ण नामाष्टकम्	६/१२१
गिलहरीका सेतुबन्ध	९/२०३
गुरु–परम्परा और सम्प्रदाय प्रणाली	३/५७, ४/८२, ५/११०
गुरु पूर्णिमा महोत्सव	६/१३७
गोपालराजस्तोत्रम्	१२/२६५
गौराङ्ग स्तवकल्पतरु	१/१
गौराङ्ग–सुधा	१/९, २/३७, ३/६२, ४/८४, ५/११२, ६/१३३, ७/१५५, ८/१८१, ९/२०४, १०/२२९, १२/२८०
चातुर्मास्य	५/१०५
ठाकुर प्रतिष्ठा, श्रीरमणबिहारीगौड़ीय मठ	१०/२३९
तुलसी माहात्म्य	२/४०
दान निर्वर्तन–कुण्डाष्टकम्	१०/२१७
धर्माडम्बर	२/२७
नरोत्तम–प्रभोरष्टकम्	३/४९
नवाष्टकम्	४/७३
नित्यानन्द–त्रयोदशी	११/२५१, १२/२७६
नृसिंह–स्तवः	७/१४५
प्रचार–प्रसङ्ग	२/४७, ४/९१, ५/११७, ६/१३९, ८/१८७, ११/२५९
प्रभुपादजीका उपदेशामृत	१/६, २/२८, ३/५४, ४/७९, ५/१७२, ६/१२७, ७/१५०, ८/१७४, ९/१९८, १७/२२२, ११/२४५, १२/२७१
प्रश्नोत्तर	१/४, ३/५१, ४/७५, ५/१००, ६/१२४, ७/१४८, ८/१७१, ९/१९५, १०/२१९, ११/२४२, १२/२६८
प्रार्थनाश्रय–चतुर्दशकम्	५/९७
प्रार्थना पद्धतिः	११/२४१
ब्रजमण्डल परिक्रमा	६/१४४, ८/१९०, ९/२११
भजन	२/४८, ४/९६
मानद उपाधिसे सम्मानित, डा. चतुर्वेदी	६/१४३
मुकुन्दाष्टकम्	१/२५
महाप्रभोरष्टकम्	८/१६९
मेढ़कका फटना	८/१८६
यस नो वैरी गुड	१२/२८३
रूप गोस्वामीका विरह तिथि महोत्सव	६/१३९
विरह तिथि	८/१८९
विविध सम्वाद	१/१३, ७/१५८, १०/२३३, १२/२८५
विशेष विज्ञप्ति	११/२६३
विश्वशान्तिमें गीताकी भूमिका	३/६८
विषय–सूची	१२/२८८
व्यासपूजाका निमन्त्रण	१०/२४०
श्रीभक्तिवेदान्त नारायण महोदयाष्टकम्	११/२६४
सन्दर्भ–सार	२/३२
सावनकी आई बहार	५/११४, ८/१८४
स्वधाममें भक्तिवेदान्त राद्धान्तीमहाराज	१/२१
स्वधाममें श्रीकालाचाँद ब्रह्मचारी	६/१४२
स्वधाममें श्रीभक्तिवेदान्त यति महाराज	८/१८९
स्वधाममें श्रीभक्तिवेदान्त त्रिदण्डि महाराज	१०/२३९
हरिकथा, श्रील वामन गोस्वामी महाराजजीकी	६/१३०, ७/१५२, ८/१७६, ९/२०१, १०/२२५, ११/२४८, १२/२७३
हाथी चले बाजार, कुत्ते भोंके हजार	१०/२३३

श्रीभागवत–पत्रिका वर्ष–४८ की विषयसूची (अङ्क १ से ३)

काजीके पास हिन्दुका पर्व पूछना	२/४८
गौरांगसुधा	१/१२, २/४४, ३/६२
गोपालदवाष्टकम्	३/४९
तुलसी देवी	३/६८
नित्यानन्द त्रयोदशी	१/१०
प्रश्नोत्तर	१/३, २/२७, ३/५१
प्रभुपादका उपदेशामृत	१/५, २/३१, ३/५४
प्रकाशनके सम्बन्धमें विवरण	१/२४
मदनगोपाल स्तोत्रम्	१/१, २/२५
मन्मना भव	२/४०, ३/५९
वामन गो. महाराजजीकीहरिकथा	१/७, २/३७, ३/५७
व्याकरणका पण्डित	१/१५
विविध सम्वाद	१/१७
ब्रजमण्डलमें श्रीनवद्वीपधाम परिक्रमा	१/२१
सन्दर्भसार	२/३४
साधु एक पाररामणि है	३/६५

श्रीश्रीभागवत–पत्रिका वर्ष–१ की विषयसूची (अङ्क १ से ९)

विषयका नाम	अङ्क और पृष्ठ सं.
आचार्यत्रयकी व्यासपूजा महोत्सव	८/१८८
आचार्यकेशरी और श्रीलप्रभुपादकी व्यासपूजा	९/२१५
कलियुगमें नामजप साधना	७/१५७, ९/२०५
केशव गो. महाराजजीकी प्रबन्धावली	७/१५१, ८/१७५, ९/१९९
केशवाचार्याष्टकम्	१/१, ४/७३
गिरिधारी गौड़ीयमठमें विग्रह प्रतिष्ठा	६/१४०
गुरु पूर्णिमापर व्यासपूजा	१/२३
गोपालभट्टगोस्वामिस्तवपंचकम्	९/१९३
गौराङ्गसुधा	४/८८,५/११०,६/१३६, ७/१५६,८/१८१, ९/२०७
गौरकिशोराष्टकम्	७/१४६
जन्माष्टमी	३/६२
दयितदास दशकम्	२/२५
नवद्वीप परिक्रमा और गौर जन्मोत्सव	८/१९१
निमन्त्रण उत्सव	८/१८६, ९/२०९
नोएडामें गौरवाणीका प्रचार	४/९४
पुरुषोत्तम मास–व्रत	१/७
पुरुषोत्तम मासमें हरिकथा उत्सव	२/४४, ३/६६
पुष्पाञ्जलि	७/१६६
पूछे गये पश्नोंके उत्तर	४/८१, ५/११२
प्रकृतिका ताण्डव	७/१६८
प्रभुपाद दशकम्	६/१२१
प्रभुपादकी अविर्भाव तिथिमें विरह–स्मृति	५/१०३,६/१२८
प्रभुपादका उपदेशामृत	१/५, २/३०, ३/५२, ४/७७, ५/१०१, ६/१२६, ७/१४९, ८/१७३, ९/११७
प्रभुपादका विरह	३/५५
प्रश्नोत्तर	१/३, २/२८, ३/५१, ४/७५, ५/९९, ६/१२४, ७/१४७, ८/१७१, ९/११५
प्राच्य एवं पाश्चात्य देशोंमें महाप्रभुकी वाणीका प्रचार	१/१८, २/४२, ३/६३, ५/११५, ६/१३९, ७/१६३, ८/१८३, ९/२११
प्रार्थना	९/२१५
मद् भक्तो	१/१४, २/३७, ३/५८,
मद्याजी मां नमस्कुरु	४/८४, ५/१०७
राधाष्टमी	३/६२
रूपगोस्वामी तिरोभाव तिथि एवं बल्देव पूर्णिमा	२/४६
लोकनाथ–प्रभुवराष्टकम्	८/१६९
वसन्त पञ्चमी	६/१३३, ७/१५५, ८/१७९, ९/२०३
वामन गो. महाराजजीकी हरिकथा	१/११, २/३४, ३/५७, ४/८१, ५/८१, ५/१०५, ६/१३०, ७/१५३, ८/१७७, ९/२०१
वामन गो. महाराजजीका नित्यलीलामें प्रवेश	५/११९
विरह माङ्गल्य	२/३२, ४/७९
विरह सम्वाद	८/१९०
व्रजमण्डल परिक्रमा और विग्रह प्रतिष्ठा	३/७१
श्रीकृष्ण जन्मलीला रहस्य	२/४०
सरस्वती गोस्वाम्यष्टकम्	३/४९

श्रीश्रीभागवत–पत्रिकाके वर्ष–२ की विषय–सूची

विषयका नाम	अङ्क और पृष्ठ
अद्वैताष्टकम्	३/४९
अप्राकृत गुणावलीका स्मरण	७–८/२२९
आस्था पर पुनः आघात	४/९६
कलियुगमें नाम जप साधना	१/१३, २/३७, ५/१०९, ११/३१९, १२/३४१
केशव गो. महाराजकी प्रबन्धावली	१/७, २/३१, ३/५५, ४/७८, ५/१०३, ६/१२९, ९/२५६, १०/२८४, ११/३०८, १२/३३२
केशव गोस्वामी दशकम्	९/२४९
गदाधराष्टकम्	२/२५
गुरुदेवकी आरती	११/३२३
गुरुदेवके चरणकमलोंमें विरह पुष्पांजलि	७–८/२१८
गुरुदेव कृपा ऐसी करना	२/४८
गुरुपूर्णिमा पर व्यासपूजा	३/७२, ५/११८
गुरुभक्ति	७–८/१४८
गुरुपादपद्मकी करुणाका स्मरण	७–८/२३९
गुरुदेवकी महिमा	७–८/२४०
गुरुदेवके विरह पर उनकी कृपाका स्मरण	७–८/२४१
गुरुदेवकी सार शिक्षा	७–८/२४७
गुरुमहाराजका अप्राकृत चरित्र	७–८/२४४

विषयका नाम	अङ्क और पृष्ठ
गुरुदेवके चरणोंमें श्रद्धा पुष्पांजलि	७–८/२२७, २३३
गुरुपदाश्रय	७–८/१७४
गोद्रुम भजनोपदेश	१२/३२५
गौर–गदाधराष्टकम्	११/३०१
गौराङ्ग–सुधा	१/१५, २/३९, ३/६१, ४/८५, ५/१११, ९/२६२, १०/२९०, ११/३१६, १२/३३८
गौराङ्ग स्तव कल्पतरुः	६/१२१
गौरकिशोर दास बाबाजी महाराजकी अप्रकट तिथि पर प्रभुपादकी वक्तृता	७–८/१५१
चैतन्यदेव स्तवः	४/७३
चैतन्याष्टकम्	५/९७
जन्माष्टमी और नन्दोत्सव	६/१४१
तुर्याश्रमी महाराजका आशीर्वाद–पत्र	७–८/१८१
नवद्वीप परिक्रमा और गौर जन्मोत्सव	१/१७, १२/३४७
निशान्त भजन	२/३५, ३/५९, ४/८३, ५/१०७, ६/१३३, ९/२६०
प्रचार प्रसंग	५/११९, ९/२६९
प्रभुपादका उपदेशामृत	१/५, २/२९, ३/५३, ४/७६, ५/१०१, ६/१२६, ९/२५४, १०/२८२, ११/३०५, १२/३३०
प्रभुपादकी विरह तिथि पर आचार्य केशरीकी वक्तृता	७–८/१६३
प्रश्नोत्तर	१/३, २/२७, ३/५१, ४/७४, ५/९९, ६/१२४, ९/२५२, १०/२७९, ११/३०३, १२/३२७
प्राच्य और पाश्चात्य देशोंमें गौरवाणीका प्रचार	२/४५, ३/६८, ४/८९, ५/११७, १२/३४२
ब्रज–दर्शन	११/३२१, १२/३४०
ब्रजमण्डल परिक्रमा	६/१४४, ९/२७३
भ. प्र. केशव गोस्वामी महाराजकी विरह तिथि पर वामन गो. महाराजकी वक्तृता	७–८/१७०
भागवतमें नरकोंका वर्णन	३/६६, ४/८७, ५/११५
मंगलाचरण	७–८/१४५
राधाष्टमी महोत्सव	६/१४२
रूप गो. के विरह उत्सव पर अध्यक्षीय भाषण	६/१३८
वकुल माला	२/४२
वसन्त पंचमी	१/११
वस्त्रहरण लीला	३/६५, ५/११३, ९/२६७, १०/२९२, ११/३१४
वामन गो. महाराजका जीवन चरित्र	७–८/२१५
वामन गो. महाराजकी हरिकथा	१/९, २/३३, ३/५७, ४/८१, ५/१०५, ६/१३१, ९/२५८, १०/२८६, ११/३१०, १२/३३४
वामन गो. महाराजके अतिमर्त्य चरित्रकी कतिपय स्मृतियाँ	७–८/१८३
वामन गो. महाराजका गुणगान	७–८/१९५
वामन गो. महाराजकी वैष्णवोचित गुणावली	७–८/१९९
वामन गो. महाराजका आचार्य पद पर अभिषिक्त होनेपर अभिभाषण	७–८/२०१
वामन गो. महाराजकी पत्रावलीसे अमृतमय उपदेश	७–८/२०३
वामन गो. महाराज एक आदर्श आचार्य	७–८/२०९
वामन गो. महाराज द्वारा नारायण गोस्वामी महाराजको लिखित पत्र	४/९२
वामन गो. महाराज द्वारा नारायण गोस्वामी महाराजको लिखित पत्रका अनुवाद	४/९४
वामन गोस्वाम्यष्टकम्	७–८/१४६
विग्रह प्रतिष्ठा, रमणबिहारी गौड़ीय मठमें	१०/२९४
विरह भजन	७–८/१७६
विरहमें कुछ स्मरण	७–८/१९२
विरह कुसुमांजलि	७–८/२२३
विरह वासर प्रसूनांजलि	७–८/२१२
विरह वेदना	७–८/२२४
विविध संवाद	६/१४०, १२/३४५
विरह अर्घ्य	७–८/२३६
शचीसून्वष्टकम्	१०/२७६
श्रीय शुक	१०/२८८, ११/३१२
श्रीवासाष्टकम्	१/१
सम्पादकीय	७–८/२४८
सुदेवी दासीके प्रश्न एवं उनके उत्तर	६/१३५, ९/२६४